mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-57 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
27 फरवरी 2026 शुक्रवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

इजराइल में भारतीय यूपीआई चलेगा, मोदी-नेतन्याहू की बैठक में समझौता

मोदी बोले- जल्द फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेंगे इजराइल आना मेरे लिए गर्व की बात

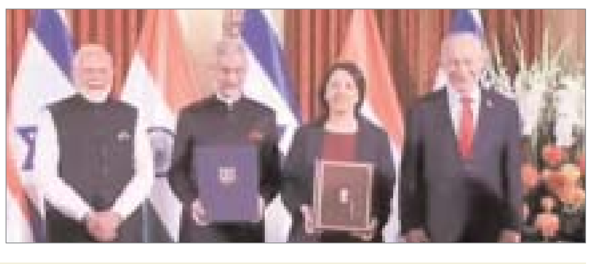

तेल अवीव, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल दौरे के दूसरे दिन सबसे पहले यरूशलम के होलोकॉस्ट मेमोरियल 'याद वाशेम' पहुंचे। यहां उन्होंने हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख यहूदियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। इस दौरान इसाक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जो पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। वहीं, पीएम मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया।

फिर पीएम मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू ने द्विपक्षीय मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान बताया गया है कि इजराइल में भी अब भारत का UPI पेमेंट सिस्टम चलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत जल्द इजराइल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) करेगा।

मोदी बुधवार को इजराइल पहुंचे थे। नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया था। इसके बाद पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को भी संबोधित किया। उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' दिया गया। मोदी नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने।

मोदी बोले- दुनिया में आतंकवाद की कोई जगह नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजराइल इस बात पर पूरी तरह सहमत हैं कि दुनिया में आतंकवाद की कोई जगह नहीं है। किसी भी रूप में आतंकवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हम अब तक कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों के खिलाफ खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता भारत की सुरक्षा से सीधे जुड़ी है।

नेतन्याहू बोले- इनोवेशन करने वाले देशों का ही भविष्य है

नेतन्याहू ने कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीक औरU AI की मदद से हर छात्र तक आसानी से पहुंचा जा सकता है और उसे उसकी पूरी क्षमता तक आगे बढ़ने का मौका दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहले जो परेशानियां और सीमाएं थीं, अब वे नहीं रहीं। उन्होंने कहा कि भविष्य उन्हीं देशों का है जो नई सोच और नए काम करते हैं।

भारत और इजराइल के बीच 16 MOU और समझौते साइन हुए

मिस्री ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के बाद करीब 16 MOU और समझौतों का आदान-प्रदान हुआ। ये समझौते विज्ञान, तकनीक, नवाचार, साइबर सिक्योरिटी, कृषि, जल प्रबंधन, रक्षा, व्यापार और आर्थिक सहयोग समेत कई क्षेत्रों से जुड़े हैं। भारत-इजराइल संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फॉर पीस, इनोवेशन एंड प्रॉस्पेरिटी' तक अपग्रेड करने का निर्णय लिया गया है। यह फैसला दोनों देशों के बीच गहरे विश्वास और मजबूत साझेदारी का प्रतीक है।

भारत-इजराइल जल्द FTA को अंतिम रूप देंगे

मोदी ने कहा कि आज की बैठक में हमने अपने सहयोग को नई दिशा देने और उसे तेजी से आगे बढ़ाने पर बात की। हमारा आर्थिक सहयोग विकास, नवाचार और साझा समृद्धि का मजबूत इंजन बना हुआ है। आपसी निवेश बढ़ाने के लिए हमने पिछले साल द्विपक्षीय निवेश समझौता किया था। हम जल्द ही दोनों देशों के लिए फायदेमंद फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) को भी अंतिम रूप देंगे। टेक्नोलॉजी हमारी भविष्य की साझेदारी का अहम हिस्सा है। आज हमने क्रिटिकल और उभरती टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप शुरू करने का फैसला किया है। इससे एआई, क्वांटम और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई रफ्तार मिलेगी।

'करप्शन इन ज्यूडीशियरी' वाली किताब पर सुप्रीम कोर्ट का बैन

कहा- हार्ड कॉपी वापस लें, डिजिटल कॉपी हटाएं; एनसीईआरटी डायरेक्टर और एजुकेशन सेक्रेटरी को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को NCERT की कक्षा 8 की सोशल साइंस की किताब में 'ज्यूडिशियल करप्शन' (न्यायपालिका में भ्रष्टाचार) से जुड़े चैप्टर पर सुनवाई की।

कोर्ट ने विवादित किताब पर कम्प्लीट बैन लगाते हुए इसके छपाई और वितरण पर पूरी तरह रोक लगा दी। साथ ही किताब की सभी प्रिंट और डिजिटल कॉपियों को तुरंत जब्त कर सार्वजनिक पहुंच से हटाने का आदेश दिया।

कोर्ट ने शिक्षा मंत्रालय के सचिव और NCERT निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही सिलेबस से जुड़ी बैठकों की कार्यवाही और विवादित चैप्टर लिखने वाले लेखकों के नाम और उनकी योग्यता बताने का निर्देश दिया है। सीजेआई ने कहा- यह न्यायपालिका को बदनाम करने की एक गहरी और

सोची-समझी साजिश लगती है। जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले की गहराई से जांच होगी और केस बंद नहीं किया जाएगा।

SC ने NCERT को चेतावनी दी कि इस मामले में अवमानना की कार्रवाई भी की जा सकती है। मामले की सुनवाई CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच कर रही है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- ईरान आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़

सनकी और क्रूर शासन को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकते

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी वॉरशिप और सैनिकों की तैनाती के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की कूटनीति को कमजोरी न समझा जाए और जरूरत पड़ी तो सैन्य विकल्प भी इस्तेमाल होगा। वेंस ने कहा कि सैन्य कार्रवाई की धमकियों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। फॉक्स न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा- हमें ऐसी स्थिति में पहुंचना होगा जहां ईरान, जो दुनिया में आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ है, परमाणु आतंकवाद से दुनिया को धमकी न दे सके। सनकी, क्रूर और दुनिया के सबसे खतरनाक शासन को परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प कूटनीतिक समाधान चाहते हैं, लेकिन उनके पास अन्य विकल्प भी मौजूद हैं और वे उनका इस्तेमाल करने की इच्छा दिखा चुके हैं।ट्रम्प ने बुधवार को संसद में अपने संबोधन के दौरान आरोप लगाया था कि ईरान अमेरिका तक मार करने में सक्षम मिसाइलें विकसित कर रहा है।

दिल्ली में प्रेग्नेंट पत्नी, तीन बेटियों का गला काटा

बच्चियों की उम्र 3, 4 और 5 साल; पति फरार, बेटे की चाहत में हत्या की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के प्रेमचंद पार्क इलाके में एक व्यक्ति ने अपनी दो महीने की प्रेग्नेंट पत्नी और तीन मासूम बेटियों की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस को शक है कि इस वारदात के पीछे व्यक्ति के मन में बेटे की चाहत हो सकती है। घटना के बाद से पति फरार है।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह प्रेम चंद पार्क इलाके स्थित घर के आसपास रहने वाले लोगों ने भयावह दृश्य देखा। घर के अंदर 27 साल की अनीता और उसकी तीन, चार और पांच साल की बेटियां खून से लथपथ पड़ी थीं।

महिला-बच्चियों की श्वास नली भी कट गई थीं : चारों पीड़ितों का गला धारदार हथियार से काटा गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमला इतना जोर से किया गया था कि उनकी श्वास नली भी कट गई थीं। पुलिस ने घटनास्थल को बहुत क्रूर बताया।घटना के बाद से आरोपी पति मुंचुन केवट लापता है। पुलिस उसे संदिग्ध मानकर चल रही है। पुलिस ने कहा कि जांचकर्ता अवैध संबंध सहित सभी संभावित पहलुओं की भी जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि हत्या का कारण बेटे का न होना हो सकता है।

आरोपी ने पत्नी और बच्चियों को शराब पिलाकर हमला किया : पुलिस ने बताया कि उन्हें बुधवार सुबह 8:07 बजे पीसीआर कॉल से हत्या की जानकारी मिली थी। शवों को देखकर लग रहा है कि केवट ने अपनी पत्नी और बेटियों को शराब पिलाकर उन पर हमला किया। मंगलवार रात करीब 9 बजे पति-पत्नी के बीच विवाद भी हुआ था।इधर, रूबी नाम की एक रिश्तेदार ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि केवट और उसकी पत्नी मूल रूप से बिहार के पटना जिले के रहने वाले थे।

मोबाइल कारोबारी ने पत्नी-बेटी को जहर दिया, खुद भी पीया :पिता-पुत्री की मौत

पत्नी आईसीयू में; ऑनलाइन गेम के चलते कर्ज में डूबा था

शहडोल, एजेंसी। शहडोल में ऑनलाइन गेम की लत और इसके चलते कर्ज से परेशान होकर मोबाइल कारोबारी ने पत्नी-बेटी को जहर पिला दिया। फिर खुद पी लिया। इलाज के दौरान पहले बेटी, फिर कारोबारी की जान चली गई। पत्नी मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में मौत से जंग लड़ रही है। मामला शहडोल के कोतवाली थाना इलाके में पुरानी बस्ती का है। यहां रहने वाले शंकर लाल गुप्ता (40) को ऑनलाइन गेम 'बीडीजी' खेलने की लत थी। वह इस खेल में करीब 4 लाख रुपए हार चुका था। इसके लिए लोगों से कर्ज भी लिया था।

कर्ज के बढ़ते बोझ और आर्थिक तंगी की वजह से शंकर लाल काफी समय से तनाव में चल रहा था। कभी खुद की मोबाइल दुकान चलाने वाला शंकर अब सड़क किनारे छोटी सी दुकान लगाकर गुजारा करने को मजबूर था।

राष्ट्रपति मुर्मू पहली बार लड़ाकू हेलिकॉप्टर में आज भरेंगी उड़ान

- राजस्थान में पाकिस्तान बॉर्डर पर वायुशक्ति युद्धाभ्यास का लेंगी जायजा, रक्षामंत्री भी आएंगे

जैसलमेर, एजेंसी। पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज (जैसलमेर) में भारतीय वायुसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास 'वायु शक्ति-2026' आज (27 फरवरी) होगा। युद्धाभ्यास में सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद रहेंगी। वे 2 दिवसीय (26 और 27 फरवरी) जैसलमेर दौरे पर हैं। तय शेड्यूल के अनुसार- राष्ट्रपति 27 फरवरी को कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (LCH) 'प्रचंड' में उड़ान भरेंगी। इस दौरान वे युद्धाभ्यास क्षेत्र का हवाई मुआयना करेंगी। यह पहली बार होगा, जब राष्ट्रपति जैसलमेर की सीमावर्ती एयरस्पेस में किसी लड़ाकू हेलिकॉप्टर की सह-पायलट बनेंगी।

राजस्थान में 9 साल की छात्रा को हार्ट अटैक, मौत

स्कूल ग्राउंड में खेलते समय गिरी; बड़े भाई की भी इसी तरह जान गई थी

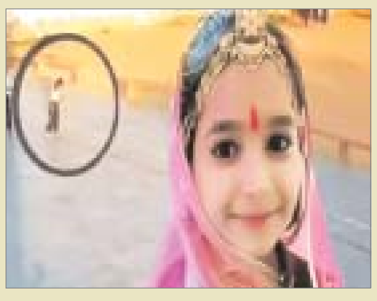

नागौर , एजेंसी। नागौर के प्राइवेट स्कूल में 9 साल की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह लड़खड़ाकर गिर गई थी। आनन-फानन में स्कूल स्टाफ उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। करीब 4 महीने पहले बड़े भाई की भी ऐसे ही हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। घटना नागौर के गोटन कस्बे के गोटन इंटरनेशनल स्कूल में 23 फरवरी की सुबह करीब 7.48 बजे हुई थी।

स्कूल ग्राउंड में अचानक गिरी

स्कूल डायरेक्टर रामकुंवार ओला ने बताया- तालनपुर के रहने वाले राजेंद्र बापेडिया की बेटी दिव्या पांचवीं क्लास की स्टूडेंट थी। सामान्य दिनों की तरह 23 फरवरी की सुबह भी स्कूल आई थी। प्रेयर (प्रार्थना) होने में अभी समय था। इस दौरान कुछ बच्चे ग्राउंड में खेल रहे थे। इसमें दिव्या भी शामिल थी। खेलते समय अचानक दिव्या बेहोश होकर गिर पड़ी। इससे अफरा-तफरी मच गई। परिवार वालों को सूचना देने के साथ ही स्कूल स्टाफ ने दिव्या को संभाला। बिना देर किए गोटन के राजकीय हॉस्पिटल पहुंचाया गया। तब तक उसकी जान जा चुकी थी।

यूथ कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी पर 18 घंटे हाईवोल्टेज ड्रामा

हिमाचल पुलिस ने 2 बार दिल्ली पुलिस को रोका एआई समिट में अर्धनग्न प्रदर्शन किया था

शिमला, एजेंसी। दिल्ली में एआई समिट में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करने के आरोप में 3 यूथ कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर बुधवार को हिमाचल और दिल्ली पुलिस में टकराव हो गया। दिल्ली पुलिस ने शिमला के एक होटल से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के 3 नेताओं को गिरफ्तार किया, लेकिन हिमाचल पुलिस ने उन्हें आधे रास्ते में रोक लिया और दिल्ली नहीं ले जाने दिया।हिमाचल पुलिस का तर्क था कि इस बारे में दिल्ली पुलिस ने कोई औपचारिक सूचना नहीं दी। हिमाचल में सादे कपड़ों में आकर मेहमानों को उठाया गया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान भी दोनों पुलिस में बहस होती रही। इसके बाद जज ने फाइल तैयार करने को कहा तो दिल्ली पुलिस फिर बिना कागजी कार्रवाई के तीनों नेताओं को ले गई।

इसका पता चलते ही हिमाचल पुलिस ने फिर उन्हें रोक लिया। इसके बाद तीनों नेताओं को कोर्ट में पेश कर दिल्ली पुलिस ने ट्रांजिट रिमांड लिया। करीब 18 घंटे तक दिल्ली और हिमाचल पुलिस के बीच ड्रामा चलता रहा।

पीएम मोदी इंस्टाग्राम पर 10 करोड़ फॉलोअर्स वाले पहले नेता

- ट्रम्प से दोगुने; दुनिया के 5 बड़े लीडर्स के कुल फॉलोअर्स भी उनसे कम

नई दिल्ली ,एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी के इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन, यानी 10 करोड़ फॉलोअर्स हो गए हैं। इस प्लेटफॉर्म पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे दुनिया के पहले लीडर और पॉलिटिशियन बन गए हैं। पीएम मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे। यहां उनके अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प से दोगुने से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

ट्रम्प 43.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ दूसरे नंबर पर हैं। दुनिया के 5 बड़े लीडर्स के कुल फॉलोअर्स की संख्या मोदी के अकेले फॉलोअर्स की संख्या से कम है। ट्रम्प के बाद इंडोनेशिया के प्रेसिडेंट प्रबोवो सुबियांटो 15 मिलियन फॉलोअर्स का नंबर आता है। ब्राजील के प्रेसिडेंट लूला 14.4 मिलियन फॉलोअर्स के साथ चौथे नंबर पर हैं। तुर्की के प्रेसिडेंट एर्दोगन के 11.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

एक्स पर 2 साल पहले 100 मिलियन, अब 106.5 : सोशल मीडिया x पर पीएम मोदी के 2024 में ही 100 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा छू लिया था। इस वक्त उनके x पर 106.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं। यह प्रधानमंत्री के किसी भी सोशल मीडिया अकाउंट पर फॉलोअर्स की सबसे ज्यादा संख्या है।

सूरत की आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील कंपनी में हंगामा

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल पर उतरे कर्मचारियों ने की आगजनी

महिला डीसीपी घायल

सूरत, एजेंसी। गुजरात के सूरत में हजीरा स्थित आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील कंपनी में गुरुवार सुबह हंगामा हो गया। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल पर उतरे कर्मचारी अचानक बिफर गए। उन्होंने 10 से ज्यादा गाड़ियों मे आग लगा दी। इतना ही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस टीम पर भी हमला कर दिया, जिसमें महिला डीसीपी घायल हो गई।

वेतन वृद्धि की मांग लेकर 5000 कर्मचारियों ने काम रोका कंपनी के बन रहे नए प्लांट में सुबह 5000 से ज्यादा कर्मचारी अचानक काम छोड़कर हड़ताल पर चले गए। हड़ताल की मुख्य वजह काम के घंटों में हुई बढ़ोतरी को कम करने और वेतन वृद्धि है। शुरुआत में हड़ताल शांति से हो रही थी। लेकिन अचानक कुछ कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया।प्लांट में भारी पुलिस बल तैनात घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल की एक बड़ी टुकड़ी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश की। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने 40 से अधिक आंसू गैस के गोले दागे।पुलिस ने हिंसा में शामिल करीब 25 मजदूरों को हिरासत में लिया है। फिलहाल, कारखाने में कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई है और स्थिति को शांत करने के लिए कंपनी अधिकारियों और कर्मचारी प्रतिनिधियों के बीच बातचीत की कोशिश जारी है।श्रम संहिता के अधिसूचित होते ही लागू कर देंगे: एल एंड टी इस बारे में लार्सन एंड टुब्रो ने एक बयान जारी करते हुए कहा- गुजरात सरकार द्वारा श्रम संहिता की अधिसूचना लागू होते ही, हम इसके सभी नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू करेंगे।

दहेज में 20 लाख रुपये न लाने पर विवाहिता की हत्या का आरोप, पति गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। रिटायरमेंट के बाद पिता ने धूमधाम से बेटी की शादी की। ज्वेलरी समेत 25 लाख नकदी दहेज में देने से लेकर बारात की खातिरदारी में कोर-कसर न छोड़ी। पर दहेज के लोभियों को शायद वो संतुष्ट न कर पाए। दो वर्ष के भीतर दहेज में 20 लाख और देने की मांग होने लगी। इसे लेकर न केवल विवाहिता को प्रताड़ित किया जाने लगा, बल्कि तलाक का डर भी बनाया गया। वहीं 17 फरवरी की रात संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता की मौत हो गई। मामला साकेत थाना क्षेत्र स्थित जीएफ सेक्टर-तीन, पुष्प विहार का है। पिता की शिकायत पर पति समेत ससुराल पक्ष के पांच लोगों पर एफआइआर दर्ज की गई है। मौत के कारणों की पुष्टि के लिए पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वहीं परिवार के अन्य सदस्यों के भूमिका की भी जांच की जा रही है। एफआइआर के मुताबिक शिकायतकर्ता योगेश्वर महतो दक्षिणी पश्चिमी जिला स्थित हरफुल विहार, फेज-दो, नांगली विहार एक्सटेंशन के रहने वाले हैं। उन्होंने 11 मार्च 2024 को अपनी बेटी सीमा कुमारी की शादी जीएफ सेक्टर-तीन, पुष्प विहार निवासी मुकेश कुमार से की थी। शादी के दो महीने बाद से ही मुकेश किसी न किसी बहाने से छोटी-छोटी मांग करने लगा। दो महीने पहले उसने 20 लाख रुपये की मांग की।

500 किमी अविरल निर्मल यमुना पदयात्रा दिल्ली पहुंची, जल सहेलियों का जोरदार स्वागत ; राजघाट पर होगा समापन

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के पचनदा से जल पुरुष डॉ. संजय सिंह के नेतृत्व में दिल्ली के लिए निकली 500 किलोमीटर लंबी अविरल निर्मल यमुना पदयात्रा बुधवार को दक्षिणी दिल्ली पहुंची। बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के मीठापुर स्थित बांके बिहारी गार्डन में स्वाभिमान देश संगठन की ओर से पदयात्रा में शामिल जल सहेलियों का स्वागत किया गया। यात्रा मीठापुर, कालिंदीकुंज, सरिता विहार, आश्रम चौक होते हुए राजघाट पहुंचकर पूर्ण होगी। संजय सिंह ने कहा कि यमुना केवल एक नदी नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की जीवनरेखा और हमारी सांस्कृतिक विरासत है। यमुना को अविरल और निर्मल बनाने के लिए सरकार के साथ-साथ समाज की सहभागिता भी बहुत जरूरी है। स्वाभिमान देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बिधूड़ी ने बताया कि यमुना हमारी आस्था और संस्कृति का प्रतीक है। समाज और सरकार को मिलकर यमुना को स्वच्छ और अविरल बनाने का संकल्प लेना होगा। वहीं यमुना संसद के संयोजक रविशंकर तिवारी ने कहा कि यमुना संसद के माध्यम से लगातार नदी संरक्षण को लेकर जनसंवाद और जन-आंदोलन चलाया जा रहा है और यह पदयात्रा उसी प्रयास की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जल सहेलियां गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को जल बचाने, वर्षा जल संचयन और नदियों की स्वच्छता के लिए जागरूक कर रही हैं।

किशोरी से डिजिटल रेप कर अश्लील वीडियो बनाया

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के वेव सिटी थानाक्षेत्र में एक रिश्तेदार द्वारा 13 वर्षीय किशोरी के साथ डिजिटल रेप और अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। आरोपी सादिक ने पहले दोस्ती कर बच्ची का भरोसा जीता और फिर उसे ब्लैकमेल करने लगा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गाजियाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। वेव सिटी थानाक्षेत्र में रिश्तेदार द्वारा 13 वर्षीय किशोरी के साथ डिजिटल रेप करने और अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। डासना के एक मोहल्ले में रहने वाली महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया। उनकी बहन के दामाद का बेटा सादिक हापुड़ के पिपलैडा गांव में रहता है। रिश्तेदारी के चलते सादिक ने जान-पहचान बढ़ाकर उनकी 13 वर्षीय बेटी को अपने झांसे में ले लिया। आरोप है कि सादिक ने पहले दोस्ती की और भरोसा जीतकर उनकी बेटी के साथ अश्लील हरकत की और उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। कुछ समय तक सादिक का व्यवहार सामान्य रहा, लेकिन बाद में उसने नाबालिग बेटी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि सादिक ने फोन और मैसेज के माध्यम से अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल भी किया, जिससे उनकी बेटी तनाव में आ गई। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गाजियाबाद के वेव सिटी थानाक्षेत्र में रिश्तेदार द्वारा 13 साल की नाबालिग के साथ डिजिटल रेप करने और अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गाजियाबाद के वेव सिटी थानाक्षेत्र में रिश्तेदार द्वारा 13 साल की नाबालिग के साथ डिजिटल रेप करने और अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। डासना के एक मोहल्ले में रहने वाली महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया। उनकी बहन के दामाद का बेटा सादिक हापुड़ के पिपलैडा गांव में रहता है। रिश्तेदारी के चलते सादिक ने जान-पहचान बढ़ाकर उनकी 13 वर्षीय बेटी को अपने झांसे में ले लिया। आरोप है कि सादिक ने पहले दोस्ती की और भरोसा जीतकर उनकी बेटी के साथ अश्लील हरकत की और उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। कुछ समय तक सादिक का व्यवहार सामान्य रहा, लेकिन बाद में उसने नाबालिग बेटी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि सादिक ने फोन और मैसेज के माध्यम से अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल भी किया, जिससे उनकी बेटी तनाव में आ गई। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नई दरों पर प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली का रास्ता साफ, हाईकोर्ट ने नगर आयुक्त के फैसले को माना सही

गाजियाबाद, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद नगर निगम क्षेत्र के निवासियों के लिए प्रॉपर्टी टैक्स की नई दरों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज़ कर दी है। कोर्ट ने अपने फैसले में टैक्स बढ़ोत्तरी को सही और नियमानुसार करार दिया है। जनहित याचिका कुछ पूर्व पार्षदों ने दाखिल की थी। इस पर मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने सुनवाई की।

इस फैसले के बाद अब गाजियाबाद में 1 अप्रैल 2025 से लागू की गई नई और बी हुई दरों पर प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। यह याचिका गाजियाबाद के वर्तमान पार्षद राजेंद्र त्यागी और अन्य पूर्व पार्षदों द्वारा दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने नगर निगम द्वारा संपत्तियों के नए वर्गीकरण और न्यूनतम मासिक किराया दर में की गई वृद्धि को चुनौती दी थी।

उनका तर्क था कि नगर आयुक्त ने बोर्ड की सहमति के बिना मनमाने ढंग से टैक्स की दरों में भारी इजाफा किया है और पुरानी छूट को खत्म कर दिया है, जिससे जनता पर आर्थिक बोझ बेगा।

नगर आयुक्त को किराया तय करने का पूर्ण अधिकार : हाईकोर्ट ने अपने 77 पन्नों के विस्तृत फैसले में स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा 174 के तहत नगर आयुक्त को संपत्तियों का वार्षिक मूल्य निर्धारित करने और किराया दरें तय करने का पूर्ण वैधानिक अधिकार है।

कोर्ट ने कहा कि नगर निगम ने पूरे शहर को सड़कों की चौड़ाई और विकास के आधार पर तीन श्रेणियों (ए , बी और सी) में बांटकर टैक्स का जो निर्धारण किया है, वह पूरी तरह तर्कसंगत और पारदर्शी है। अदालत ने यह भी कहा कि नई दरें लागू करने से पहले निगम ने सार्वजनिक सूचना जारी कर आपत्तियां मांगी थीं। लगभग 318 आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद ही अंतिम फैसला लिया गया।

कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ताओं ने जनहित के बजाय राजनीतिक हिसाब बराबर करने के उद्देश्य से यह मामला दायर किया था। मामले की सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि जब नगर निगम बोर्ड और प्रशासन के बीच टैक्स वृद्धि को लेकर गतिरोध पैदा हुआ, तब राज्य सरकार ने धारा 116 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग किया। सरकार ने नगर आयुक्त को निर्देश दिया था कि वह कानून के दायरे में रहकर जनता के हितों और निगम के राजस्व के बीच संतुलन बनाते हुए निर्णय लें। हाईकोर्ट ने सरकार के इस हस्तक्षेप को भी पूरी तरह से कानूनी ठहराया है।

वाद का स्वरूप न बदले तो देरी के आधार पर संशोधन अर्जी खारिज नहीं- हाईकोट इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि किसी वाद में प्रस्तावित संशोधन से मुकदमे की मूल प्रकृति या स्वरूप में कोई बदलाव नहीं आता है, तो केवल समय की देरी के आधार पर संशोधन आवेदन को निरस्त नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम ने गोरखपुर के एक दीवानी मामले में ट्रायल अदालत और पुनरीक्षण अदालत द्वारा संशोधन अर्जी खारिज करने के आदेशों को त्रुटिपूर्ण मानते हुए उन्हें रद्द कर दिया है। कोर्ट ने संशोधन आवेदन को स्वीकार कर लिया और ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है।

दिल्ली सरकार की हर योजना पारदर्शी

हर नागरिक को मिलेगा लाभः सीएम रेखा गुप्ता

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर चल रहे प्रवास कार्यक्रम के तीसरे दिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्वी दिल्ली लोकसभा में कार्यकर्ताओं से जनसंवाद किया। इस दौरान सीएम ने कहा कि बीते एक साल में दिल्ली सरकार ने पूरे पारदर्शी तरीके से काम किया है। ऐसे में सरकार की योजनाओं का लाभ हर नागरिक को मिलेगा। कार्यकर्ता योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाए।

इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद हर्ष मल्होत्रा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी योजनाओं की जानकारी दी। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि एक वर्ष में हमारी सरकार ने स्वास्थ्य, सड़क और बुनियादी सुविधाओं पर तेजी से काम किया है। यमुनापार के विकास को प्राथमिकता देते हुए ठप पड़ी योजनाओं को गति दी गई है। जनता का विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए हर योजना को पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। बीते दस साल में जो रुकावटें पिछली सरकार ने डालीं, उससे आगे बढ़कर अब दिल्ली का सतत विकास होगा। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि आयुष्मान कार्ड और जन औषधि केंद्रों से हजारों परिवारों को राहत मिली है। आश्रम- बदरपुर, कालिंदी कुंज, डीएनडी-फरीदाबाद-सोहना और अन्य कारिडोर से जाम और प्रदूषण दोनों में कमी आएगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि सरकार द्वारा किए गए कार्यों को घर-घर तक पहुंचाना संगठन की पहली जिम्मेदारी है। जनता ने सरकार और निगम दोनों जगह भाजपा को आशीर्वाद दिया है, इसलिए जनप्रतिनिधि हमेशा जनता की सेवा में उपस्थित हैं। यमुनापार विकास बोर्ड के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि 728 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का असर जल्द ही यमुनापार में दिखाई देगा। विष्णु मित्तल, विधायक रविकांत उज्जैनवाल, डा. अनिल गोयल, संजय गोयल, अभय वर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, तरविंदर सिंह मारवाह, रवि नेगी, दीपक गाबा, वीरेंद्र धामा व भारत गौड़ समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पश्चिमी दिल्ली में ड्रोन से पकड़ी गईं जल प्रदूषण फैलाने वाली अवैध इकाइयां, 11 सील

नईदिल्ली, एजेंसी। जल प्रदूषण फैलानी वाली जींस डाईंग व वाशिंग इकाइयों की पहचान मुश्किल होती है। निगम के पश्चिमी जोन ने ऐसी इकाइयों की पहचान के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने का फैसला किया। जोन के विभिन्न वार्डों में ऐसी इकाइयों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया गया। प्रदूषण फैलानी वाली इकाइयों को चिन्हित करने के बाद कार्रवाई करते हुए इन्हें सील किया गया। निगम पश्चिमी जोन के उपायुक्त कर्नल विनोद अत्री ने बताया कि 16 फरवरी से 20 फरवरी के मध्य ख्याला, विष्णु गार्डन, रणहौला, बापरौला एवं बिंदापुर क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से छतों, इमारतों की ऊपरी मंजिलों तथा छिपाकर संचालित औद्योगिक गतिविधियों की निगरानी की गई, जो सामान्य जमीनी निरीक्षण में सामने नहीं आ पाती थीं। इस सर्वेक्षण के दौरान 29 संदिग्ध अवैध इकाइयों की पहचान की गई, जो पारंपरिक निरीक्षण से

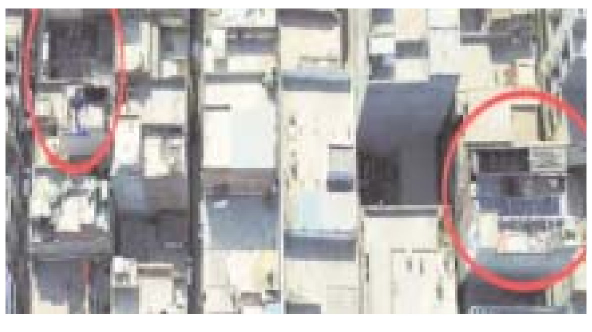

बचती रही थीं। यह ड्रोन सर्वेक्षण जनवरी माह में एमसीडी द्वारा किए गए जमीनी सर्वेक्षण के अतिरिक्त था, जिससे कार्रवाई के लिए ठोस प्रमाण उपलब्ध हुए। घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्रों में प्रदूषणकारी गतिविधियों की निगरानी हेतु हवाई तकनीक और जमीनी सत्यापन का समन्वय एक महत्वपूर्ण तकनीकी पहल सिद्ध हुआ है। हवाई सर्वेक्षण के उपरांत सीलिंग कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई। संयुक्त प्रवर्तन अभियान में नगर निगम के साथ, संबंधित क्षेत्र के एसडीएम, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), दिल्ली पुलिस, बीएसईएस, दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों द्वारा इस संबंध में उपराज्यपाल के निर्देशों के अनुपालन में संचालित किया गया। कार्रवाई के दौरान 11 जल प्रदूषणकारी इकाइयों को सील किया गया तथा उनकी बिजली आपूर्ति काट दी गई ताकि वहां फिर से ऐसी गतिविधि संचालित न हो सके। इस सप्ताह 11 इकाइयों के सील होने के साथ ही पिछले तीन महीनों में पश्चिमी क्षेत्र द्वारा कुल 88 इकाइयों को सील किया जा चुका है।

मैंने दोस्त मोदी को चौंका दिया, डिनर से पहले देसी हुए पीएम नेतन्याहू; पहने भारतीय कपड़े

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल दौरे पर पीएम मोदी ने रचा इतिहास! वह इजरायली संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय पीएम बने। पीएम नेतन्याहू ने भारतीय परिधान पहनकर दिया सरप्राइज। पढ़ें भारत-इजरायल की इस ऐतिहासिक दोस्ती और कूटनीति की पूरी खबर। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अपने भारतीय समकक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके संयुक्त रात्रिभोज से पहले पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर चौंका दिया। खुद नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपना वीडियो जारी किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय और पश्चिमी परिधान का एक आकर्षक मिश्रण

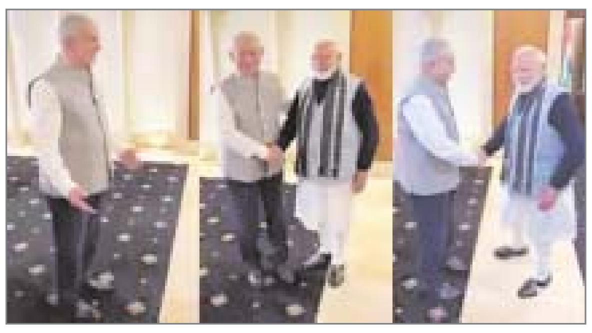

पहना हुआ है। उन्होंने एक सफेद रंग की फुल-स्लीव शर्ट के ऊपर हल्के ग्रे (स्लेटी) रंग की एक स्लीवलेस जैकेट पहनी है, जो पारंपरिक भारतीय नेहरू जैकेट या बंडी जैसी लग रही है और उन्हें एक बेहतरीन देसी लुक दे रही है। इसके साथ ही, उन्होंने नीचे डार्क रंग की फॉर्मल पैंट और काले रंग के चमड़े के फॉर्मल जूते पहने हुए हैं। पीएम नेतन्याहू ने हिंदी में लिखा- हमारे संयुक्त रात्रिभोज से पहले, मैंने अपने मित्र प्रधानमंत्री मोदी को पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर चौंका दिया।

इजरायली संसद में पीएम मोदी का ऐतिहासिक संबोधन

इससे पहले दिन में, पीएम मोदी ने यरुशलम में नेसेट (इजरायली संसद) के एक विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित किया। वह इजरायल की संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। नेसेट पहुंचने पर, स्पीकर अमीर ओहाना ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया और उन्हें एक औपचारिक सम्मान दिया गया।

प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले इजरायल के पीएम नेतन्याहू, विपक्ष के नेता येर लैपिड और स्पीकर ओहाना ने सत्र में अपने विचार रखे जो भारत-इजरायल संबंधों के प्रति इजरायल के मजबूत द्विदलीय समर्थन को दर्शाता है।

स्पीकर ऑफ द नेसेट पदक से सम्मान : पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत इस विशेष सम्मान के लिए स्पीकर को धन्यवाद देकर की। उन्होंने स्पीकर ऑफ द नेसेट पदक से सम्मानित किए जाने पर आभार व्यक्त किया और इस पदक को दोनों देशों की स्थायी मित्रता और साझा लोकतांत्रिक परंपराओं को समर्पित किया।

युद्ध के पांचवें साल में ज़ेलेंस्की ने जी-7 नेताओं का जताया आभार

यूक्रेन, एजेंसी। यूक्रेन युद्ध के पांचवें वर्ष में प्रवेश के बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति ने जी-7 नेताओं का आभार जताया है। सोशल मीडिया मंच ङ्ग पर अपने संदेश में ज़ेलेंस्की ने कहा कि त्न7 देशों ने यूक्रेन के प्रति अपना अटूट और स्पष्ट समर्थन दोहराया है। उन्होंने कहा कि एक सम्मानजनक और स्थायी शांति तभी संभव है, जब यूरोप, जी-7 देश और यूक्रेन मिलकर ठोस सुरक्षा गारंटी और एक मजबूत पुनर्निर्माण योजना पर काम करें। यह बयान उस संयुक्त घोषणा के बाद आया है, जिसमें जी-7 नेताओं ने 2022 में रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण की वर्षगांठ पर यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व के अधिकार के प्रति अपना अटूट समर्थन दोहराया।त्न7 नेताओं ने कहा कि वे यूक्रेन को उसकी स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा में समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।समूह ने अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा शुरू की गई शांति प्रक्रिया के प्रयासों का भी समर्थन किया। बयान में कहा गया कि यूरोप इस प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाएगा और अन्य साझेदार भी इसमें शामिल होंगे। जी-7 ने तथाकथित के तहत यूक्रेन को दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी देने की प्रतिबद्धता का भी समर्थन किया। ज़ेलेंस्की ने अपने संदेश में सहयोगी देशों द्वारा दी जा रही सैन्य और ऊर्जा सहायता, विशेषकर एयर डिफेंस मिसाइलों की आपूर्ति, की सराहना की। उन्होंने कहा कि रूस द्वारा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमलों के बीच हर एयर डिफेंस पैकेज यूक्रेनी नागरिकों के सामान्य जीवन को बचाने में मदद करता है।यूक्रेन अभी भी कई क्षेत्रों में लड़ाई का सामना कर रहा है और मजबूत सुरक्षा आश्वासन तथा दीर्घकालिक पुनर्निर्माण समर्थन की मांग कर रहा है।

प्रतिष्ठा पर दाग : एपस्टीन कनेक्शन पर बिल गेट्स का कबूलनामा, कर्मचारियों से मांगी माफी

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी प्रौद्योगिकी उद्यमी बिल गेट्स ने दोषी ठहराये जा चुके यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अपने संबंधों को लेकर गेट्स फाउंडेशन के कर्मचारियों से माफी मांगी है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। यह जानकारी मीडिया में आयी एक खबर में सामने आयी है। वॉल स्ट्रीट जर्नल में मंगलवार को छपी एक विशेष खबर में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक ने यह भी स्वीकार किया कि उनके दो रूसी महिलाओं के साथ संबंध थे और उन्होंने ऐसी गलतियां कीं जिसके कारण परोपकार में लगे उनके समूह की छवि सन्देह के दायरे में आयी। हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने एपस्टीन के अपराधों में भाग नहीं लिया।

गेट्स उन विभिन्न हस्तियों, राजनेताओं, नेताओं और प्रौद्योगिकी

उद्यमियों में शामिल थे, जिनके यौन अपराधी से संबंध होने का पता चला था। पिछले महीने अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा ऑनलाइन जारी किए गए हजारों दस्तावेजों, जिनमें ईमेल, साक्षात्कार प्रतिलेख, तस्वीरें, कॉल लॉग आदि शामिल हैं, में यह नाम सामने आये जिनमें कुछ नामों को हटा दिया गया है। इन सूचनाओं को सामूहिक रूप से एपस्टीन फाइल्स कहा जाता है। गेट्स ने मंगलवार को विभिन्न अधिकारियों की एक बैठक में स्वीकार किया कि उनके दो रूसी महिलाओं के साथ संबंध थे, जिनका पता बाद में एपस्टीन को चला, लेकिन उनका एपस्टीन की पीड़ितों से कोई लेना-देना नहीं था। वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा समीक्षा की गई एक रिकॉर्डिंग के अनुसार, गेट्स ने कहा, मैंने कुछ भी अवैध नहीं किया। मैंने कुछ भी अवैध नहीं देखा। गेट्स ने कहा कि हाल में जारी एपस्टीन फाइल में जिन तस्वीरों में उन्हें उन महिलाओं के साथ दिखाया गया है जिनके चेहरे धुंधले कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ये तस्वीरें उन दोनों की मुलाकात के बाद एपस्टीन के कहने पर उसकी सहयोगियों के साथ खिचवाई गयी थीं। गेट्स ने कहा, स्पष्ट रूप से कहूं तो, मैंने कभी पीड़ितों, यानी उनके आसपास की महिलाओं के साथ समय नहीं बिताया। गेट्स ने कहा, एपस्टीन के साथ समय बिताना और गेट्स फाउंडेशन के अधिकारियों को उस यौन अपराधी के साथ बैठकों में शामिल करना एक बहुत बड़ी गलती थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने गेट्स के हवाले से कहा, मेरी गलती की वजह से जो लोग इसमें फंस गए हैं, उनसे मैं माफी मांगता हूं। गेट्स ने कहा कि यौन अपराधी द्वारा 2008 में एक नाबालिग को वेश्यावृत्ति के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराए जाने के तीन साल बाद 2011 में एपस्टीन से उनकी मुलाकात हुई थी। गेट्स ने कहा कि उन्होंने एपस्टीन की पृष्ठभूमि की ठीक से जांच नहीं की, जबकि उन्हें 18 महीने की किसी घटना के बारे में पता था जिसके कारण एपस्टीन का आना-जाना सीमित हो गया था। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी तत्कालीन पत्नी मेलिंडा फ्रेंच गेट्स द्वारा 2013 में चिंता व्यक्त करने के बाद भी उन्होंने एपस्टीन से मिलना जारी रखा।

पात्र व्यक्तियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्रदान कर ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा: राज्यपाल

वनांचल ग्राम परसिली में राज्यपाल ने जनजातीय समुदाय से किया संवाद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्यपाल से मंगुभाई पटेल ने कहा कि पात्र व्यक्तियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाकर ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों से कहा कि गरीब वर्ग के व्यक्ति को प्राथमिकता से योजनाओं का लाभ दिलाये और उन्हें मुख्य धारा से जोड़े। राज्यपाल ने कहा कि स्वसहायता समूह ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया है अब महिलाएं निर्भीक होकर अपनी बात सबके सामने रख रही है और अपने परिवार को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन भी कर रही है। राज्यपाल ने सीधी जिले के मझौली जनपद अंतर्गत वनांचल ग्राम परसिली में जनजातीय समुदाय से संवाद किया। परसिली के स्कूल प्रांगण में

आयोजित संवाद कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधरी है वह विभिन्न व्यवसाय से लखपति बनी है और मंच से निडर होकर अपनी अनुभव साझा कर रही हैं।

राज्यपाल ने अन्य महिलाओं को भी समूह से जुड़ने का आवाहन किया और अधिकारियों से अपेक्षा की की गरीब महिलाओं को अधिक से अधिक समूह से जोड़ें। मंगुभाई पटेल ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जनकल्याणकारी अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं विभागीय अधिकारियों का दायित्व है कि पात्र व्यक्ति को उनका लाभ मिले। गरीब व जरूरतमंद को लाभ दिलाने से उनका आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने कहा कि अपने लिए तो सब जीते हैं दूसरों के लिए भी जिये तो जीवन सार्थक हो जायेगा।

मंगुभाई पटेल ने सत्यसाई आश्रम में किया वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने 25-26 फरवरी 2026 को अपने जिले के दो दिवसीय प्रवास के दौरान परसिली स्थित सत्यसाई आश्रम में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं पौधा लगाकर क्षेत्र की हरियाली और पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने की पहल की राज्यपाल ने आम जनमानस को पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश देते हुए कहा कि वृक्ष धरा के आभूषण हैं और प्रकृति के संतुलन के लिए पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करना भी प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने नागरिकों को प्रेरित किया कि वे जीवन के विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। राज्यपाल ने आश्रम में मौजूद बच्चों और स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि शिक्षा समाज की उन्नति का आधार स्तंभ है और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए बच्चों की शिक्षा आवश्यक है। स्थानीय जनजातीय और ग्रामीण संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्यपाल ने नागरिकों को अपनी पारंपरिक कला और पेंटिंग को सहेजने का सुझाव दिया उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को आजीविका का साधन बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और भविष्य दोनों को सुरक्षित किया जा सकता है। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान तथा अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पेपर बिगड़ने पर छात्र ने की आत्महत्या आम के पेड़ पर लगाई फांसी

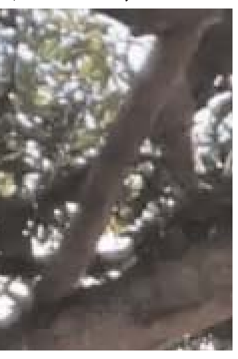

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जैतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोलुहा चौकीटोला में एक 25 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र का आईटीआई का एक पेपर बिगड़ गया था, जिससे वह तनाव में था। गुरुवार सुबह उसका शव घर के पीछे बाड़ी में पेड़ पर लटका मिला। मृतक की पहचान 25 वर्षीय मनोज चौधरी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, मनोज का आईटीआई के एक विषय में बैक आया था, जिसकी परीक्षा देने वह बुधवार को शहडोल गया था। शाम को घर लौटने पर उसने अपने बड़े भाई अनिल को बताया कि उसका पेपर अच्छा नहीं गया है भाई ने उसे ढांढस बंधाया कि अगली बार फिर कोशिश कर लेना, लेकिन मनोज काफी परेशान था। उसने रात का खाना भी नहीं खाया और चुपचाप सोने चला गया गुरुवार सुबह मनोज हमेशा की तरह खलिहान में मवेशी बांधने के लिए निकला था। काफी देर तक जब वह नहीं लौटा, तो बड़ा भाई उसे देखने बाड़ी की ओर गया वहां मनोज का शव नायलॉन की रस्सी के फंदे से आम के पेड़ पर लटका मिला भाई के शोर मचाने पर परिजन और ग्रामीण वहां जमा हो गए, लेकिन तब तक मनोज की सांसें थम चुकी थीं। सूचना मिलते ही जैतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रमजान शरीफ का दूसरा असरा 28 फरवरी से प्रारम्भ मग़फिरत, रहमत एवं ज़कात की फ़ज़ीलत का विशेष महत्व

मीडिया ऑडीटर, रीवा, (निप्र)। इस्लाम धर्म में पाँच बुनियादी अरकान-ईमान, नमाज़, रोज़ा, हज और ज़कात-को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। इन्हें इस्लाम की बुनियाद कहा जाता है। रमजानुल मुबारक को बरकतों, रहमतों और मग़फिरत (गुनाहों की माफी) का महीना कहा जाता है। रमजान शरीफ का दूसरा असरा 28 फरवरी से प्रारम्भ हो रहा है, जिसे मग़फिरत का असरा कहा जाता है। उम्मत-ए-मोहम्मदिया कमेटी रीवा के संस्थापक मो. शुएब खान एवं मोहसिन खान तथा अध्यक्ष मकदूम खान ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि इस पवित्र महीने में इबादत, संयम, सदाचार और दान-पुण्य का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि गरीबों, यतीमों, बेसहारा, विधवाओं और जरूरतमंदों की सहायता करना अत्यंत पुण्य का कार्य है।

मीडिया प्रभारी अज़हरूद्दीन अज्जू ने बताया कि इस्लाम में हर अक़िल-बालिग मुसलमान पुरुष एवं महिला पर ज़कात अदा करना फ़र्ज़ है। ज़कात इस्लाम के पाँच स्तंभों में से एक है, जिसका अर्थ है आत्मा एवं संपत्ति का शुद्धिकरण। यह दान का ऐसा माध्यम है, जिसके अंतर्गत मुसलमान अपनी संपत्ति का एक निश्चित हिस्सा जरूरतमंदों के कल्याण के लिए निकालते हैं। ज़कात सन् 3 हिजरी में फ़र्ज़ की गई थी और तभी से प्रत्येक सक्षम मुसलमान पर इसकी अदायगी अनिवार्य है शरीयत के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के पास 52.5 तोला चाँदी (लगभग 612.36 ग्राम) या 7.5 तोला सोना (लगभग 87.48 ग्राम), अथवा इन दोनों में से जिसकी वर्तमान बाजार कीमत कम हो उसके बराबर संपत्ति हो, और उस पर एक हिजरी वर्ष पूर्ण हो जाए, तो उसे अपनी कुल बचत का 2.5 प्रतिशत ज़कात के रूप में अदा करना आवश्यक है। इसमें नकद धनराशि, व्यावसायिक माल, सोना-चाँदी तथा अन्य वैध संपत्तियाँ सम्मिलित होती है।

भू-अर्जन कर्मचारी 1 लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार, लोकायुक्त टीम ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश के जिले में लोकायुक्त पुलिस रीवा ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भू-अर्जन शाखा के कर्मचारी भूपेंद्र पांडेय को 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गुरुवार के दिन गिरफ्तार किया है। यह दूसरी बार है जब आरोपी को लोकायुक्त पुलिस ने ट्रैप में पकड़ा है जिससे विभागीय तंत्र में हड़कंप मच गया है। शिकायतकर्ता शिवबहोर तिवारी, जो ग्राम सदना के निवासी हैं, ने लोकायुक्त को शिकायत दी थी। उनकी नौ डिसमिल जमीन हाईवे परियोजना में प्रभावित हुई थी, जिसके लिए उन्हें 27 लाख रुपये का मुआवजा स्वीकृत हुआ था। आरोप है कि इस मुआवजा राशि को जारी कराने के लिए कर्मचारी भूपेंद्र पांडेय ने उनसे 13 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने पहले भी मजबूरी में 1 लाख रुपये की राशि दी थी। तय योजना के तहत, गुरुवार को वह दूसरी किस्त के रूप में 1 लाख रुपये देने पहुंचे थे, जबकि शेष राशि पांच दिन बाद देने की बात हुई थी। इसी दौरान उन्होंने लोकायुक्त एसपी से शिकायत की, जिसके बाद सत्यापन कर ट्रैप की रणनीति बनाई गई।

केशवाही में भालू के हमलों से तीन मौत, ग्रामीणों को सिखाए बचाव के तरीके

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र में बीते एक महीने के भीतर भालू के हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई थी इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने अब जंगल से सटे गांवों में व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके

महुआ और तेंदूपत्ता सीजन में बढ़ जाता है खतरा: केशवाही वन परिक्षेत्र के रेंजर अंकुर तिवारी ने बताया कि इस क्षेत्र के जंगलों में भालुओं की संख्या काफी अधिक है। वर्तमान में महुआ बीनने और तेंदूपत्ता संग्रहण का समय नजदीक आ रहा है जिसके कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण जंगल का रुख करते हैं। इसी दौरान भालू और इंसानों का आमना-सामना होने की संभावना बढ़ जाती है जिससे हमले का जोखिम रहता है। वन विभाग की टीमें गांव-गांव जाकर बैठकें कर रही हैं और ग्रामीणों को निम्नलिखित सावधानियां बरतने की सलाह दे रही हैं। समूह में चलें जंगल में अकेले जाने के बजाय हमेशा 4-5 लोगों के समूह में जाएं शोर मचाते रहें चलते समय बातचीत करें या शोर मचाएं, ताकि आहट सुनकर जानवर रास्ता बदल ले। अंधेरे से बचें: अलसुबह या देर शाम (जब धुंधलका हो) जंगल में प्रवेश न करें। जानवर को न उकसाएं यदि भालू दिख जाए, तो उसे पत्थर मारने या चिल्लाकर उकसाने की कोशिश न करें, बल्कि चुपचाप सुरक्षित दूरी बना लें वन अमले ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे किसी भी जंगली जानवर की गतिविधि दिखने पर तुरंत विभाग को सूचित करें साथ ही, भ्रामक अफवाहों पर ध्यान न दें। विभाग का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को सुरक्षित रखते हुए उनकी आजीविका (वनोपज संग्रहण) को सुचारू बनाए रखना है।

बैढ़न-बरगवां मार्ग पर थार-बलकर की टक्कर, मुख्य मार्ग पर लगा लंबा जाम

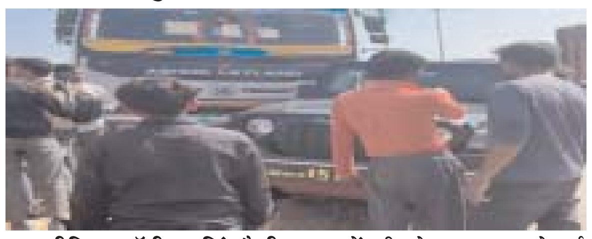

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न-बरगवां सड़क मार्ग पर थार और बलकर वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है लेकिन मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लग गया जिससे यातायात बाधित हुआ घटना बुधवार दोपहर की है जानकारी के अनुसार, थार वाहन (पंजीयन क्रमांक एमपी 66 जेडसी 1512) बैढ़न से बरगवां की ओर जा रहा था। वहीं, बलकर वाहन (क्रमांक एमपी 19 जेड 7311) बरगवां से बैढ़न की दिशा में आ रहा था। इसी दौरान दोनों वाहनों की जोरदार टक्कर हो गई टक्कर के बाद दोनों वाहन सड़क पर ही फंस गए, जिससे मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया। बाद में लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद यातायात धीरे-धीरे बहाल हो सका इस संबंध में थाना प्रभारी मोहम्मद समीर ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिली है, लेकिन अभी तक किसी भी पक्ष द्वारा थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

पुजारी हत्याकांड आरोपी कामता केवट सेवा से बर्खास्त, 15 फरवरी को किया था मर्डर; 3 दिन बाद हुआ, गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में एक आपराधिक प्रकरण में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के स्थायीकर्मी कामता प्रसाद केवट को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है उन पर पुजारी की हत्या का आरोप है यह आदेश कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सीधी द्वारा जारी किया गया। कुसमी एसडीएम बीके आनंद ने इस कार्रवाई की जानकारी दी कार्यपालन यंत्री सी.एल. साकेत ने बताया कि निलंबन की कार्यवाही के बाद उन्हें पद से पृथक किया गया है, जो आज से प्रभावी हो गया है थाना प्रभारी कुसमी ने विभाग को सूचित किया था कि कामता केवट उर्फ लाला केवट को 19

फरवरी को हत्या के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और उनके विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था इस सूचना के आधार पर सिविल सेवा आचरण संहिता के उल्लंघन के तहत यह कार्रवाई की गई है। यह पूरा मामला कुसमी क्षेत्र में 15 फरवरी 2024 को हुई पुजारी इंद्रभान द्विवेदी की हत्या से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय मंदिर से जुड़े पुजारी इंद्रभान द्विवेदी की हत्या कर दी गई थी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की प्रारंभिक जांच में हत्या को आपसी विवाद से जोड़कर देखा गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी कामता केवट को गिरफ्तार कर लिया था। मामले में एफआईआर दर्ज कर विस्तृत विवेचना शुरू की गई थी, जिसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया था।

सड़क हादसे में जेल प्रहरी की मौत, ड्यूटी पर जाते समय बाइक बेकाबू होकर पेड़ से टकराई

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी उप जेल में पदस्थ एक जेल प्रहरी की गुरुवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब प्रहरी ड्यूटी के लिए घर से निकले थे और उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई पुलिस ने बताया कि मृतक प्रहरी की पहचान अभिषेक सिंह (29) के रूप में हुई है। वे ब्यौहारी उप जेल में पदस्थ थे। गुरुवार तड़के सुबह की शिफ्ट के लिए बाइक से निकले थे। ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यायालय के सामने उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे एक पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में अभिषेक सिंह के सिर में गंभीर चोटें आईं वहां से गुजर रहे वाहन चालकों ने जेल प्रहरी को घायल अवस्था में देखा और

तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक जेल प्रहरी की मौत हो चुकी थी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल भिजवाया घटना की जानकारी मिलने पर उप जेल ब्यौहारी के अधिकारी और कर्मचारी भी घटनास्थल पर पहुंचे जेल प्रहरी का शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवाया गया है पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

बैगा समुदाय के बीच पहुंचे मंगुभाई पटेल ओम प्रकाश बैगा को प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत पक्के घर की दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपने सीधी जिले के प्रवास के दौरान आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र चमराडोल पहुंचकर बैगा समुदाय के ओम प्रकाश बैगा के परिवार से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने ओम प्रकाश बैगा को प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत पक्का आवास मिलने पर हार्दिक बधाई दी और इसे विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन में स्थिरता और सुरक्षा लाने का महत्वपूर्ण कदम बताया राज्यपाल ने संवाद के दौरान परिवार से जाना कि उन्हें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है और क्षेत्र में बिजली, पानी

और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। राज्यपाल ने ओम प्रकाश बैगा के बच्चों शिवानी, शिवम और पुष्पेन्द्र से विशेष रूप से मुलाकात की और उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भविष्य के निर्माण में शिक्षा का अहम रोल है और यही बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम है उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजकर उनके भविष्य को उज्जवल बनाएं इसके साथ ही राज्यपाल ने बच्चों से कहा, 'अपने सपनों को साकार करने के लिए शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रहना जरूरी है।' उन्होंने बच्चों को जीवन में बड़े लक्ष्य तय करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि निरंतर सीखना और आगे बढ़ना सबसे महत्वपूर्ण है शिक्षा के साथ-साथ राज्यपाल ने नैतिक मूल्यों पर भी जोर दिया। उन्होंने बच्चों से कहा, 'माता-पिता की सेवा करना आपका पहला कर्तव्य है, क्योंकि उनके आशीर्वाद से ही जीवन की कठिन राहें आसान होती हैं। इस अवसर पर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान सहित अन्य ग्रामवासी भी उपस्थित रहे।

मोबाइल कारोबारी ने पत्नी-बेटी को जहर दिया, खुद भी पीया, ऑनलाइन गेम के चलते कर्ज में डूबा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ऑनलाइन गेम की लत और इसके चलते कर्ज से परेशान होकर मोबाइल कारोबारी ने पत्नी-बेटी को जहर पिला दिया फिर खुद पी लिया। इलाज के दौरान पहले बेटी, फिर कारोबारी की जान चली गई पत्नी मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में मौत से जंग लड़ रही है। मामला कोतवाली थाना इलाके में पुरानी बस्ती का है यहां रहने वाले शंकर लाल गुप्ता (40) को ऑनलाइन गेम 'बीडीजी' खेलने की लत थी वह इस खेल में करीब 4 लाख रुपए हार चुका था इसके लिए लोगों से कर्ज भी लिया था। कर्ज के बढ़ते बोझ और आर्थिक तंगी की वजह से शंकर लाल काफी समय से तनाव में चल रहा था कभी खुद की मोबाइल दुकान चलाने वाला शंकर अब सड़क किनारे छोटी सी दुकान लगाकर गुजारा करने को मजबूर था। 24 फरवरी की रात शंकर लाल 15 वर्षीय बेटे अनिकेत के साथ बाजार गया। बेटे को दोस्त की दुकान में छोड़कर शंकर ने चाय पीने की बात कही फिर बाजार से कोल्ड ड्रिंक खरीदकर घर चला आया। इसमें जहर मिला दिया फिर पत्नी राजकुमारी और बेटी स्वाति (16) को कोल्ड ड्रिंक पिला दी।

व्यापार समझौते का सच

संपादकीय

हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन हमारे संवैधानिक और मौलिक अधिकार हैं। हम प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सरकार और नीतियों की आलोचना और विरोध कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। उनकी अपनी सीमा, समय और मर्यादाएं तय हैं। जरा संविधान के संबद्ध अध्याय को पढ़ लीजिए। ये अधिकार देश की जन-व्यवस्था को बिगाडने वाले नहीं होने चाहिए। किसी के घर में घुसकर आंदोलन खड़े नहीं किए जा सकते। युवा कांग्रेस के 'बेकमीज' कार्यकर्ताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में घुसकर जो उत्पात मचाया था, उसे देश ने भी खारिज किया और कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी मुखालफत की, नाराजगी जताई, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान का सवाल था। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीका के साथ व्यापार समझौते का विरोध करना था, तो पूरा देश खाली पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही आंदोलन-स्थल चिह्नित हैं। कांग्रेस के युवाओं ने एक वैश्विक मंच को तितर-बितर करने की कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ गैर-जमानती, गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं और 8 उपद्रवी उसकी रिमांड पर हैं। कांग्रेस इन दंगाइयों को 'बब्बर शेर' करार दे रही है और ऐसे प्रदर्शनों के लिए उकसा रही है। केस में 'आपराधिक साजिश', देश की अखंडता के खिलाफ, दंगे में शामिल होना और भड़काने, लोकसेवक पर हमला आदि की धाराएं लगाई गई हैं। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब को भी रिमांड पर लिया गया है। अब इसे व्यापार समझौता बनाम किसान बनाम प्रधानमंत्री का मुद्दा बना दिया गया है। 'किसान महाचौपाल' की पहली रैली के लिए भोपाल चुना गया, क्योंकि मप्र में करीब 83.50 लाख किसान हैं। मप्र को 'सोया स्टेट' कहा जाता है, जहां देश के करीब 45 फीसदी सोयाबीन का उत्पादन होता है। करीब 50 लाख किसान सोयाबीन की खेती करते हैं। दरअसल देश की हकीकत यह है कि भारत करीब 60 फीसदी सोयाबीन एवं खाद्य तेल अर्जेन्टीना से आयात करता है और 20 फीसदी तेल ब्राजील से लेते हैं। मात्र 2 फीसदी खाद्य तेल अमरीका से आयात किया जाता है।

भारत दशकों से 75 फीसदी खाद्य तेल और दालें आयात करता रहा है, क्योंकि भारत में खपत इतनी है और भारतीय किसान इतना उत्पादन करने में असमर्थ है। भारत कुल 1.61 लाख करोड़ रुपए का खाद्य तेल आयात करता है। क्या इन दशकों में हिंदुस्तान नहीं बिका? या किसान खत्म नहीं हुए? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर गंभीर आरोप है कि उन्होंने अमरीका के साथ व्यापार समझौते के जरिए हिंदुस्तान को ही बेच दिया। वस्त्र उद्योग बर्बाद कर दिया।

स्मार्टफोन ने याददाश्त छीनी एआई कल्पना शक्ति छीन लेगी?

योगेश नरवरे

भारत से लेकर दुनिया के सभी देशों में इस समय एआई की धूम मची हुई है। हर वर्ग का व्यक्ति छोटा हो या बड़ा इसी तकनीकी की बात कर रहा है। सबको ऐसा लग रहा है, यदि यह तकनीकी हमारे पास नहीं आई तो शायद हम अपना सब कुछ खो देंगे। भारत में हाल ही में एआई समिट हुआ है। जिसमें दुनिया भर के देशों से एआई की आईटी कंपनियों ने बड़े-बड़े दावे किए हैं। ऐसा लग रहा है, जल्द ही स्वर्ग धरती पर उतर आएगा। एआई तकनीकी आने के बाद जो खतरे आने वाले हैं, उसको लेकर कोई भी चर्चा नहीं हो रही है। दिल्ली में हुए समिट के दौरान कहा गया, इस तकनीकी से कारोबार आसान हो जाएगा। खेती बहुत बढ़िया हो जाएगी। एआई तकनीकी से इलाज होगा। इसे एआई क्रांति का नाम दिया जा रहा है। यह क्रांति आएगी, उसके बाद आदमी को कुछ नहीं करना पड़ेगा। इसे एक बड़ी औद्योगिक क्रांति के रूप में देखा जा रहा है। धरती में सभी को सब कुछ बैठे-बैठे मिल जाएगा। इस तरह की बातें कही जा रही हैं। एआई तकनीकी के दुष्प्रभाव को लेकर युवल नोआ हरारी ने अपनी किताब नेक्सस में एआई के खतरों से आगाह किया है। उन्होंने दावा किया है, पहली बार मनुष्य सभ्यता के सामने एक ऐसी मशीनी दुनिया खड़ी होने जा रही है जो मनुष्य से अधिक बुद्धिशील और पराक्रमी साबित होगी। इसका इस्तेमाल बहुत खतरनाक भी हो सकता है। एआई तकनीकी आने के बाद जिस तेजी के साथ मशीनें अपने आप को अपग्रेड कर लेती हैं। एक मशीन सैकड़ो और हजारों लोगों की क्षमताओं का काम अकेली कर सकती है। एआई सभी सूचनाओं, संवेदनाओं, कृत्रिम बादल और बरसात, कविता, उपन्यास, काल्पनिक कहानियां, टीवी सीरियल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े कार्य, खेती से लेकर समुद्र तक इसकी पहुंच होगी। जिस तरीके के उपकरण एआई तकनीकी के माध्यम से बनाए जा रहे हैं, उसके कारण सबसे बड़ा खतरा बेरोजगारी का है। मशीनों पर आश्रित होकर हम अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमता को ही खो देंगे। इस तरह की बात सामने आने लगी है।

एआई तकनीकी अब समाज के हर उसे क्षेत्र में घुसने के लिए तैयार खड़ी है, जहां पर अभी केवल मानव अस्तित्व ही काम करता था। अब जिस तरह के रोबोट बनाए जा रहे हैं, वह मानवों की तरह संवेदनशील और मानवों की तरह ही, वह सब कुछ कर सकते हैं, जो अभी तक मानव करते आए हैं। इस बात का भी खतरा उत्पन्न हो गया है, जो रोबोट बनाये जा रहे हैं। उसके बाद सेक्स और बच्चा पैदा करने का काम भी यही रोबोट करने लगेंगे। यह रोबोट मानवीय सभ्यता से ज्यादा संवेदनशील होंगे, एक दूसरे को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। कुछ समय पहले स्मार्टफोन आया था। इस स्मार्टफोन ने लोगों की याददाश्त छीन ली। अब हर काम के लिए स्मार्टफोन की जरूरत होती है। कुछ याद नहीं रहता है, यदि स्मार्टफोन ना हो तो हम अपने परिजनों के मोबाइल नंबर और ईमेल अकाउंट का उपयोग भी नहीं कर पाते हैं। जब एआई का अस्तित्व अपने पूरे सवाब में आएगा, तब मनुष्य प्रजाति की कल्पना शक्ति और शारीरिक क्षमता सीमित करने का काम एआई क्रांति कर देगी। कहा जाता है, तकनीकी से डरने की जरूरत नहीं है। तकनीकी जीवन को बेहतर बनाने के लिए उपयोग में आती है। जिस तरह से सारे विश्व में छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बूढ़े तक स्मार्टफोन के नशे का शिकार होकर अपनी सुध-बुध खो चुके हैं। एआई क्रांति के माध्यम से जिस तरह से हम संपूर्ण जीवन को मशीनों के ऊपर आश्रित करते चले जा रहे है। ऐसी स्थिति में ना तो हम शारीरिक श्रम कर पाएंगे और ना ही हम मानसिक श्रम कर पाएंगे। इस स्थिति में भविष्य का क्या होगा, आसानी से समझा जा सकता है। तकनीकी का स्वागत किया जाना चाहिए, पर हमारे जीवन में तकनीकी का उतना ही प्रवेश होना चाहिए, जो हमारी सहायता और विकास को आगे बढ़ाने के लिए काम करे। जब करोड़ों लोगों का काम कुछ लाख मशीनें करने लगेंगी। हफ्तों और महीनो का काम पलक झपकते हो जाएगा। ऐसी स्थिति में 800 करोड लोगों को पालने-पोसने, सामाजिक और पारिवारिक जीवन को किस तरह से सुरक्षित एवं संरक्षित रखा जा सकेगा। तकनीकी का उपयोग करने के पहले इस पर गंभीर विचार-विमर्श करने की जरूरत है। ऐसा ना हो कि तकनीकी के सहारे हम विकास एवं सामाजिक सुरक्षा के स्थान पर विनाश की ओर आगे बढ़ जाएं।

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

> देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

ललित गर्ग

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्टरेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है- आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल 'व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आईआईसीटी की संरचना, और ऑरेंज इकोनॉमी की अनंत संभावनाएँ

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है,जहाँ वह नित्य नवीन विकास की परिभाषा बदल रही है। इसी क्रम में औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र की परंपरागत सीमाओं से बाहर निकलकर अब राष्ट्र की शक्ति का निर्धारण उसकी रचनात्मक क्षमता,डिजिटल दक्षता और नवाचार से हो रहा है।इसी परिवर्तनकारी परिदृश्य में आई आई सी टी का उदय केवल एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्रचना की एक दुरगामी दृष्टि का परिचायक है। एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग,कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने की यह पहल अपने भीतर सामाजिक न्याय,अवसरों के लोकतंत्रीकरण और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का अनंत संदेश समेटे हुए है।

विनोद कुमार सिंह

हमारी रचनात्मक अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रतिभा और कल्पनाशीलता ही वास्तविक पूँजी होती है।भौगोलिक सीमाएँ,पारंपरिक संसाधन या भारी अवसंरचना इसकी अनिवार्यता नहीं हैं।एक छोटे शहर या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाला युवा भी यदि उपयुक्त प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधन प्राप्त करे तो वह वैश्विक परियोजनाओं में अपनी अग्रणी भूमिका निभा सकता है।संस्थान का 2035 तक 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य इसी सोच का सतत विस्तार है।यह केवल कौशल विकास का कार्यक्रम नहीं,बल्कि सामाजिक गतिशीलता का माध्यम है,जो वंचित और निचले तबकों को नई आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।21वीं सदी का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य यह स्पष्ट संकेत दे रहा है,कि आने वाला समय रचनात्मकता,डिजिटल तकनीक और बौद्धिक संपदा का होगा।जिस राष्ट्र के पास विचार, कल्पनाशक्ति और तकनीकी दक्ष मानव संसाधन होगा,वही विश्व मंच पर नेतृत्व करेगा।भारत ने इस यथार्थ को समय रहते पहचानते हुए एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स,गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में संस्थागत आधार निर्मित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजी(Indian Institute of

Creative Technology) केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं,बल्कि भारत की ऑरेंज इकोनॉमी का केंद्रीय स्तंभ बनकर उभर रहा है। माया नगरी मुंबई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में प्रारंभ हुआ यह संस्थान सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर कार्य करता है,जहाँ उद्योग और अकादमिक जगत का समन्वय इसकी आधारशिला है।प्रारंभिक चरण में इसका संचालन नेशनल फिल्म डबल्पमेन्ट कॉरपोरेशन (NFDC) परिसर से आरंभ किया गया,जो भारतीय फिल्म और रचनात्मक उद्योग के ऐतिहासिक केंद्रों में से एक है।वर्तमान संरचना में चौथी से सातवीं मंजिल तक पूर्णतःकार्यशील फ्लोर स्थापित किए गए हैं,जिनमें अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएँ,डिजिटल लैब्स,साउंड डिजाइन स्टूडियो,पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएँ और पेशेवर स्तर का स्क्रीनिंग थिएटर शामिल हैं।यह अवसंरचना विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं,बल्कि उद्योग- संगत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।संस्थान की संरचना का एक महत्वपूर्ण आयाम इसका स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्र है,जहाँ नवोन्मेषी विचारों को व्यावसायिक रूप देने के लिए मेंटरशिप,तकनीकी संसाधन और नेटवर्किंग सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।यह मॉडल विद्यार्थियों को नौकरी खोजने वाले के बजाय रोजगार सृजक बनने की प्रेरणा देता है।साथ ही,18 विशेषी कृत पाठ्यक्रमों के माध्यम से ए वी जी सी-एस आर(AVGC-XR) क्षेत्र की विविध आवश्यकताओं को संबोधित किया जा रहा है।उद्योग- उन्मुख पाठ्यक्रम संरचना यह सुनिश्चित करती है कि प्रशिक्षित युवा सीधे वैश्विक परियोजनाओं में योगदान दे सकें।आईआई सी टी की दीर्घकालिक योजना इसे और व्यापक स्वरूप देने की है।गोरेगांव फिल्म सिटी में प्रस्तावित10एकड़ का स्थायी परिसर इस दिशा में एक महत्त्वाकाँक्षी कदम है।यहाँ अत्याधुनिक इमर्सिव स्टूडियो,ए आर/वीआर/एक्सआर (AR/VR/XR)आधारित प्रयोगशालाएँ और सहयोगात्मक रचनात्मक स्पेस विकसित किए जाने की योजना है। यह परिसर विद्यार्थियों को भारत के मनोरंजन उद्योग के केंद्र में प्रशिक्षण का अवसर देगा,जिससे शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी न्यूनतम हो सकेगी।भविष्य में यह केंद्र वैश्विक प्रशिक्षण, शोध और नवाचार का हब बन सकता है।वही ऑरेंज इकोनॉमी की अवधारणा रचनात्मक उद्योगों को आर्थिक शक्ति में रूपांतरित करने की है।इसमें संस्कृति,कला,मीडिया,डिजाइन और डिजिटल नवाचार सम्मिलित होते हैं।विश्व स्तर पर यह क्षेत्र तीव्र गति से विस्तार कर रहा है और अरबों डॉलर का बाजार निर्मित कर चुका है।भारत,जिसकी जनसंख्या युवा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है,इस क्षेत्र में स्वाभाविक बढ़त रखता है।यदि भारतीय कथानक, पौराणिकता,लोककथाएँ और समकालीन अनुभव आधुनिक तकनीकी माध्यमों से प्रस्तुत किए जाएँ,तो वे वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं।इसी संभावना को संरचनात्मक आधार प्रदान करता है।आईआईसीटी संस्थान का लक्ष्य केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है,बल्कि 500 से अधिक मौलिक भारतीय बौद्धिक संपदाओं (IP)का निर्माण,10,000 से अधिक डोमेन विशेषज्ञों की तैयारी और 2035 तक 10 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना इसकी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है।यह दृष्टिकोण भारत को केवल सेवा प्रदाता नहीं,बल्कि वैश्विक कंटेंट सृजनकर्ता के रूप में स्थापित करने का प्रयास है। बौद्धिक संपदा का सृजन ही किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक आर्थिक स्वायत्तता का आधार बनता है।सामाजिक दृष्टि से भी आईआईसी टी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।डिजिटल रचनात्मक उद्योग भौगोलिक सीमाओं से मुक्त हैं।अतः छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी अवसर उपलब्ध हैं।जब समाज के निचले तबकों तक कौशल और संसाधन पहुँचेंगे, तब आर्थिक अवसरों का वास्तविक लोकतंत्रीकरण होगा।यहसामाजिक पूँजी को सुदृढ़ करेगा और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में सहायक होगा।समावेशी और सतत विकास की दिशा में यह पहल दीर्घकालिक परिवर्तन का आधार बन सकती है।

अंततः इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजीभारत के उस आत्मविश्वास का प्रतीक है,जो अपनी सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी क्षमता के संगम से भविष्य गढ़ना चाहता है।यदि संरचना,उद्योग साझेदारी और सामाजिक समावेशन की यह त्रिवेणी निरंतरता के साथ आगे बढ़ती रही,तो ऑरेंज इकोनॉमी भारत की विकास यात्रा में स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगी।हम कह सकते है कि यह कोई आर्थिक प्रगति की कहानी नहीं होगी,बल्कि एक ऐसे भारत की ऐतिहासिक कथा होगी जो अपनी रचनात्मक ऊर्जा को वैश्विक शक्ति में रूपांतरित कर रहा है।

बाल विवाह मुक्त अभियान की बड़ी सफलता

जिले में समय रहते रोका गया एक और बाल विवाह, अब तक छह मामलों में कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत प्रशासन की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक और बाल विवाह को समय रहते रोक दिया गया। जिला प्रशासन द्वारा लगातार की जा रही कार्रवाई से अब तक कुल छह बाल विवाह रोके जा चुके हैं, जो अभियान की प्रभावशीलता और प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है यह कार्रवाई जिला कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 फरवरी 2026 को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मनेन्द्रगढ़ को सूचना मिली कि विकासखंड खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत दुग्गी एवं ग्राम पंचायत मुकुंदपुर में बाल विवाह कराया जा रहा है सूचना के अनुसार विवाह में दो नाबालिग बालिकाएं शामिल थीं, जिनकी आयु लगभग 16 वर्ष 6 माह एवं 17 वर्ष 6 माह थी, जबकि एक बालक की आयु लगभग 18 वर्ष 6 माह बताई गई। सूचना मिलते ही जिला बाल संरक्षण अधिकारी कोमल सिंह ने तत्काल संयुक्त टीम का गठन किया टीम में संस्थागत देखरेख संरक्षण अधिकारी, परियोजना अधिकारी खड़गवां, सेक्टर सुपरवाइजर, चाइल्ड हेल्पलाइन प्रतिनिधि, जिला बाल संरक्षण इकाई, पुलिस विभाग एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल थे। टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। खड़गवां तहसीलदार की उपस्थिति में बालक एवं बालिकाओं के परिजनों को बाल विवाह से जुड़े कानूनी प्रावधानों, संभावित दंडात्मक कार्रवाई तथा इसके सामाजिक एवं स्वास्थ्यगत दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशासन की सख्ती और समझाइश के बाद मौके पर सजे विवाह मंडप को हटवाया गया तथा बाल विवाह को पूरी तरह रोक दिया गया उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन टीम द्वारा कुल छह बाल विवाह रोके जा चुके हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने में सहयोग करें। कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिलने पर तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर जानकारी दें, ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।

फेल होने के डर से छात्र छत से कूदा, 12वीं का मैथ-केमिस्ट्री का पेपर बिगड़ा था

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। 12वीं कक्षा के छात्र ने गुरुवार सुबह करीब 8 बजे अपने घर की दूसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि छात्र मैथ और केमिस्ट्री का पेपर बिगड़ने से डिप्रेशन में था। मामला झांसी रोड थाना क्षेत्र के हरिशंकरपुरम स्थित साइन नगर फेज-2 का है जानकारी के मुताबिक मृतक छात्र की पहचान उत्कर्ष उर्फ कृष्णा गुप्ता (20) पुत्र राजीव गुप्ता के रूप में हुई है परिजन अंतिम संस्कार के लिए शव को बरुआ सागर ले गए हैं मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है परिजन ने बताया कि उत्कर्ष बुधवार रात माता-पिता के साथ खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था गुरुवार सुबह जब वह कमरे से बाहर नहीं आया तो पिता राजीव गुप्ता उसे देखने पहुंचे कमरे में न मिलने पर उन्होंने छत पर जाकर देखा इस दौरान छत से नीचे झांकने पर उत्कर्ष घर के नीचे मृत हालत में पड़ा था पिता ने पड़ोसियों और पुलिस को सूंचना दी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उत्कर्ष पिछले वर्ष 12वीं कक्षा में गणित और रसायन विज्ञान विषय में कम अंक आने से परेशान था इस वर्ष उसने दोबारा इन विषयों की परीक्षा दी थी इस बार भी पेपर ठीक न होने की आशंका थी। वह रिजल्ट को लेकर टेंशन में था फेल होने का डर सता रहा था। स्थानीय निवासियों के अनुसार, उत्कर्ष पिछले साल 12वीं कक्षा में गणित और रसायन विज्ञान के पेपर में कम नंबर आने से परेशान था इस साल उसने दोबारा इन विषयों की परीक्षा दी थी, लेकिन पेपर खराब होने की आशंका के चलते वह डिप्रेशन में था उसे फेल होने का डर सता रहा था उत्कर्ष मूल रूप से बरुआ सागर का रहने वाला था। उसके पिता राजीव गुप्ता पिछले 20 साल से ग्वालियर में प्रमोद चौहान के मकान में किराए पर रह रहे हैं और दाल बाजार में आड़त का काम करते हैं।

एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ 28 फरवरी को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राजस्थान से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की सहभागिता रहेगी। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री द्वारा किया जाना निर्धारित किया गया है।

अभियान के शुभारंभ अवसर पर अस्थायी टीकाकरण केंद्र पर अतिथियों का आगमन होगा, जिसके पश्चात क्लिकर के माध्यम से एचपीवी टीकाकरण के लिए तैयार 57 सेकंड का जागरूकता वीडियो प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य को अस्थायी टीकाकरण केंद्र से टू-वे वीडियो लिंक के माध्यम से जोड़ा जाएगा, जबकि शुभारंभ स्थल से वन-वे ऑडियो प्रसारण किया जाएगा। राज्य स्तर पर लाइव टेलीकास्ट देखने के लिए विशेष रूप से स्क्रीन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में इस महत्वपूर्ण अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अस्थायी टीकाकरण केंद्र की स्थापना की जाएगी, जहां 14 वर्ष आयु वर्ग की पांच किशोरी बालिकाएं, जिन्होंने अभी 15वां जन्मदिन नहीं मनाया है, अपने परिजनों की उपस्थिति में टीकाकरण लाभ प्राप्त करेंगी। इसके लिए वैक्सीनेशन टीम में दो वैक्सीनेटर, दो वेरिफायर, दो मोबिलाइज़र एवं दो वॉलंटियर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

टोल प्लाजा पर फायरिंग करने वाले निकले स्टूडेंट, पुराने विवाद का बदला लेने के लिए चलाई गोलियां

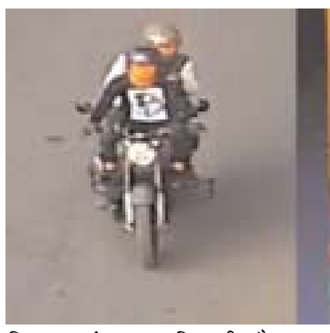

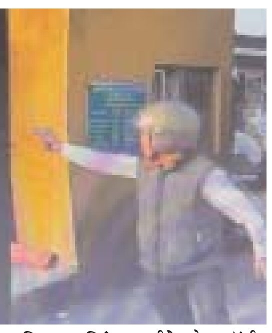

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। पुलिस ने 48 घंटे में 300 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगालकर बरैठा टोल प्लाजा पर फायरिंग करने वाले दोनों बदमाशों को पकड़ लिया है। इनकी पहचान अश्वनी भदौरिया (22) और निखिल चौहान (19) के रूप में हुई है। अश्वनी भिंड जबकि निखिल उत्तर प्रदेश के गाजीपुर का रहने वाला है। दोनों ही स्टूडेंट हैं और ग्वालियर के बड़ागांव में रहते हैं पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि करीब एक साल पुराने विवाद का बदला लेने के लिए उन्होंने टोल प्लाजा पर फायरिंग की थी पुलिस ने उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल बुलेट मोटर साइकिल, पिस्टल, कारतूस और गमछा बरामद किए हैं पुलिस ने बताया कि अश्वनी पुत्र योगेंद्र सिंह भदौरिया, भिंड के वीरेंद्र नगर का रहने वाला है वहीं, निखिल पुत्र देवेंद्र सिंह गाजीपुर के टिल्डा गांव का निवासी है। दोनों को ग्वालियर में ही मुरार के एक होटल से पकड़ा गया। अश्वनी ने पुलिस को बताया कि एक साल पहले वह अपने पिता के साथ टोल प्लाजा से निकल रहा था।

इस दौरान उसकी टोल कर्मचारियों से बहस हो गई थी वह बदला लेने का बहाना तलाश रहा था। उसने हाइवे पर गोलियां चलाकर पुलिस को गुमराह करने के लिए चिट्?ठी में ग्वालियर-भिंड हाईवे को सिक्स लेन करने की बात लिखी थी बरैठा टोल प्लाजा ग्वालियर-भिंड हाईवे के बॉर्डर पर है। सोमवार शाम को टोल प्लाजा के बूथ नंबर 07 पर टोल कलेक्टर नहीं था। वहां आगरा निवासी कर्मचारी रोहित कुमार बैठा था। इसी दौरान बुलेट सवार दो युवक मुंह पर गमछा बांधकर हेलमेट पहने भिंड से ग्वालियर की ओर निकले दोनों टोल से कुछ दूर बाइक रोककर खड़े हो गए। इसके बाद बाइक पर पीछे बैठा व्यक्ति पैदल चलकर बूथ पर आया उसके हाथ में पिस्टल थी। उसने रोहित को हाथ से लिखी चिट्ठी दी और कहा- अपने मैनेजर को बता देना कि हाईवे नहीं बनेगा तो टोल नहीं चलने दूंगा मैं तुम्हें जान से खत्म कर दूंगा। उसने पिस्टल से कई राउंड फायर किए रोहित कुर्सी से नीचे गिर गया, गोलियां कम्प्यूटर में जाकर लगीं। इसके बाद दोनों बाइक पर बैठकर भाग निकले बदमाशों द्वारा दी गई चिट्?ठी में लिखा था कि ग्वालियर-भिंड हाइवे नहीं बनेगा तो ऐसे ही वारदात करेंगे सरकार अंधी हो गई है भले ही नेताओं के फ्लैट बेचने पड़ें, लेकिन अब हाइवे निर्माण शुरू होना चाहिए अब कोई आकाश नहीं मरेगा। एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से लेकर ग्वालियर शहर की तरफ जाने वाले रोड पर 300 से ज्यादा कैमरे खंगाले। इसमें बदमाश भिंड रोड से डीडी नगर, पिंटो पार्क और टंकी तिराहा से होते हुए सात नंबर चौराहा की तरफ भागते दिखे थे।

सामान्य से 2.6 डिग्री बढ़ा तापमान, दिन में मार्च जैसी गर्मी का अहसास; रात का भी चढ़ने लगा पारा

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। होली से पहले ही गर्मी ने दस्तक दे दी है। फरवरी के अंतिम सप्ताह में तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जिससे लोगों को अभी से मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले तीन दिनों में अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है शहर का अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 2.6 डिग्री अधिक था। वहीं, गुरुवार सुबह न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से लगभग 1.7 डिग्री ज्यादा है। दिन में तेज धूप और हल्की गर्म हवा चलने के कारण दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर आवाजाही कम रही मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फरवरी के आखिरी दिनों में तापमान बढ़ना पिछले 10 वर्षों का एक सामान्य ट्रेंड रहा है पश्चिमी विक्षोभ की कमी, हवा की दिशा में बदलाव और दिन की अवधि बढ़ने जैसे कारणों से गर्मी का असर तेज हो रहा है। उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं की जगह अब दक्षिण-पश्चिमी शुष्क हवाएं प्रभावी हो रही हैं, जिससे तापमान में तेजी आ रही है विशेषज्ञों के मुताबिक यदि यही स्थिति बनी रही तो मार्च की शुरुआत और भी गर्म रह सकती है वर्ष 2016 से 2025 के आंकड़ों पर गौर करें तो कई बार फरवरी के अंतिम सप्ताह में तापमान 33 से 35 डिग्री तक पहुंच चुका है ऐसे में इस बार भी पारा 34 डिग्री तक जाने की संभावना जताई जा रही है। डॉक्टरों ने इस मौसम में बचाव की सलाह दी है। उन्होंने पूरे कपड़े पहनकर शरीर को ढकने, दिन में अनावश्यक आवाजाही से बचने और भरपूर मात्रा में पानी का सेवन करने को कहा है। बच्चों और बुजुर्गों का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है।

3 परिवारों के लिए 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों को बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्राकृतिक आपदा राहत योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल तीन पीड़ित परिवारों को 12 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इनमें तहसील मनेन्द्रगढ़ के दो तथा तहसील केल्हारी के एक प्रकरण शामिल हैं यह स्वीकृति मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर से जारी राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के संशोधित प्रावधान (दिनांक 01 दिसंबर 2022) के अनुसार प्रदान की गई है। उक्त प्रावधान में ऐसी घटनाओं को प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में मानते हुए पीड़ित परिजनों को अनुग्रह सहायता देने का प्रावधान है प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील के ग्राम झागराखांड़ निवासी पुनिया सिंह की नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी।

इस प्रकरण में उनके वारिस गेंदाबाई को चार लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार ग्राम चनवारीडांड़ निवासी चिरांशु सिंह की नदी में डूबने से मृत्यु होने पर उनके वारिस शिवप्रसाद सिंह को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है वहीं तहसील केल्हारी के ग्राम रोझी निवासी छोटेलाल की पानी में डूबने से मृत्यु के मामले में उनकी वारिस प्रेमवती को भी चार लाख रुपये की अनुग्रह सहायता स्वीकृत की गई है।

इस प्रकार तीनों मामलों में कुल 12 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत राशि का व्यय मांग संख्या 58 के अंतर्गत मुख्य शीर्ष 2245 'प्राकृतिक आपदा राहत' से वित्तीय वर्ष 2025-26 में वहन किया जाएगा। शासन द्वारा दी गई यह आर्थिक सहायता दुख की घड़ी में प्रभावित परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा साबित होगी। प्रशासन का कहना है कि सरकार प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित नागरिकों के साथ खड़ी है और आवश्यकता पड़ने पर हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

एयरपोर्ट उड़ानों पर हाईकोर्ट का नोटिस, केंद्र, मंत्रालय और एयरलाइंस से जवाब मांगा

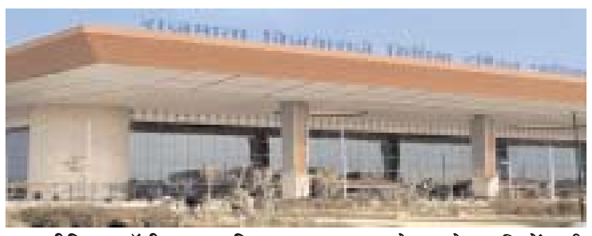

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। एयरपोर्ट पर सीमित हवाई सेवाओं के मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की युगल पीठ ने केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और संबंधित एयरलाइंस कंपनियों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने सभी पक्षों से 4 हफ्तों में जवाब मांगा है और नियमित उड़ानों की कमी पर चिंता जताई है यह जनहित याचिका क्रेडाई अध्यक्ष सुदर्शन झवर द्वारा दायर की गई है याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ सिजौरिया ने पक्ष रखा कोर्ट ने याचिका को सुनवाई योग्य मानते हुए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए हैं याचिकाकर्ता के अनुसार ग्वालियर से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में 25 से 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके बावजूद शहर को पर्याप्त हवाई सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं और कई प्रमुख शहरों के लिए सीधी उड़ानें नहीं हैं याचिका में बताया गया कि एयरपोर्ट का निर्माण लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है इसके बावजूद यहां उपलब्ध सुविधाओं के अनुरूप उड़ान सेवाएं संचालित नहीं हो रही हैं। यात्रियों को अन्य शहरों के लिए रेल या सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ रहा है। अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि छोटे शहरों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने नीतियां बनाई हैं।

हर घर नल से जल बना अमर सिंह के जीवन की नई रोशनी जल जीवन मिशन से बदली गांव की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में परिवर्तन की मजबूत मिसाल बनता जा रहा है विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत दूधांसी अंतर्गत ग्राम लरघाडंडी में इस योजना ने लोगों के जीवन में नई उम्मीद और सुविधाओं का संचार किया है। गांव के निवासी अमर सिंह इसका सजीव उदाहरण हैं, जिनके जीवन में 'हर घर नल से जल' योजना ने सकारात्मक बदलाव लाया है अमर सिंह बताते हैं कि योजना के लागू होने से पहले स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता उनके लिए बड़ी समस्या थी। उन्हें प्रतिदिन दूर स्थित कुओं और हैंडपंप से पानी लाना पड़ता था। इससे समय और श्रम दोनों की काफी हानि होती थी पानी की अनिश्चित उपलब्धता के कारण घरेलू कार्यों और आजीविका पर भी असर पड़ता था। कई बार दूषित पानी के उपयोग से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न होती थीं जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल कनेक्शन मिलने के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। अब उनके घर में शुद्ध और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है। इससे न केवल दैनिक जीवन आसान हुआ है, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है महिलाओं और बच्चों को पानी लाने के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, जिससे उनका समय शिक्षा और अन्य रचनात्मक कार्यों में लग रहा है अमर सिंह ने इस बदलाव के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना केवल पानी की सुविधा नहीं, बल्कि सम्मान, स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य की नींव है। उनके अनुसार जल जीवन मिशन ने गांव को नई पहचान दी है और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर कल का मार्ग प्रशस्त किया है।

होली पर जिले में पूर्ण शुष्क दिवस घोषित

4 मार्च को मदिरा बिक्री एवं परोसने पर सख्त प्रतिबंध

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। होली पर्व के अवसर पर, जिस दिन रंग खेला जाएगा, 4 मार्च 2026 को मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्ण 'शुष्क दिवस' घोषित किया गया है। राज्य शासन के निर्देशानुसार इस अवधि में प्रदेश की समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानों को बंद रखा जाएगा। जारी आदेश के अनुसार शुष्क दिवस के दौरान सभी देशी मदिरा एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानें, रेस्टॉरेंट-बार, होटल-बार, क्लब तथा मदिरा विक्रय एवं परोसने से संबंधित सभी प्रकार के लाइसेंसधारी प्रतिष्ठान पूर्णतः बंद रहेंगे। इसमें सीएस-2, एफएल-1, एफएल-2क, एफएल-3, एफएल-4, एफएल-5, एफएल-6, एफएल-7, एफएल-8, एफएल-9, एफएल-10 सहित अन्य सभी श्रेणी के लाइसेंस तथा भांग एवं भांग घोटा की फुटकर दुकानें भी शामिल हैं शासन ने स्पष्ट किया है कि घोषित शुष्क दिवस के दौरान किसी भी होटल, रेस्टॉरेंट, क्लब, स्टार होटल अथवा अन्य किसी प्रतिष्ठान या व्यक्ति द्वारा किसी भी रूप में मदिरा बेचना या परोसना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा गैर-मालिकाना क्लबों एवं निजी संस्थानों पर भी यह आदेश समान रूप से लागू होगा इसके अतिरिक्त उक्त अवधि में मदिरा के व्यक्तिगत भंडारण तथा गैर-लाइसेंस प्राप्त परिसरों में शराब रखने पर भी सख्त रोक रहेगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर मदिरा जप्त कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी अवैध मदिरा के परिवहन और विक्रय पर नियंत्रण हेतु समस्त जिला कार्यालयों, संभागीय उड़नदस्तों एवं राज्य स्तरीय उड़नदस्तों को सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं।

रिवर व्यू तिरंगे का जनरेटर गायब, सीएम सुरक्षा के चलते हटाया; ध्वज संहिता का उल्लंघन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। रिवर व्यू रोड पर स्थित शहर के सबसे ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज को रात में रोशन रखने के लिए लगाया गया जनरेटर सेट एक महीने से गायब है इसके कारण रात में बिजली गुल होने पर राष्ट्रीय ध्वज अंधेरे में डूब जाता है जिससे उसके सम्मान पर सवाल उठ रहे हैं भारतीय ध्वज संहिता 2002 (2022 के संशोधन के बाद) के अनुसार, यदि तिरंगा रात में फहराया जाता है तो उस पर उचित रोशनी की व्यवस्था अनिवार्य है यह सुनिश्चित करता है कि झंडा अंधेरे में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे और उसकी गरिमा बनी रहे जनरेटर सेट को मुख्यमंत्री की सुरक्षा के मद्देनजर हटाया गया था जांच में पता चला कि उसके पुर्जे गायब हो रहे थे जिसके बाद उसे निकलवा दिया गया एक महीने बीत जाने के बाद भी इसे दोबारा स्थापित नहीं किया गया है। जुलाई 2022 के संशोधन के बाद अब तिरंगा रात में भी फहराया जा सकता है।

नशे की खेप पर वार तेज... मगर सप्लाई लाइन अब भी धधकती?

लगातार दो दिन की बड़ी बरामदगी से उठे बड़े सवाल

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। आस्था और श्रद्धा की पहचान बन चुकी मैहर एक बार फिर नशे के कारोबार को लेकर सुर्खियों में है। पुलिस ने 23 फरवरी 2026 को मैहर थाना क्षेत्र में 27 किलो गांजा और 221 शीशी प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त कर बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि 24 फरवरी को रामनगर थाना पुलिस ने 4 किलो गांजा और 120 शीशी नशीली कफ सिरप बरामद कर एक और बड़ा खुलासा कर दिया।लगातार दो दिनों की इन ताबड़तोड़ कार्रवाइयों ने साफ कर दिया है कि पुलिस मैदान में सक्रिय है। लेकिन हर बड़ी बरामदगी के साथ एक बड़ा सवाल भी उठ खड़ा हुआ है आखिर मैहर तक नशे की इतनी बड़ी खेप पहुंच कैसे रही है?

सूत्र बताते हैं कि रीवा रेंज स्तर पर नशीली कफ सिरप के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। रीवा रेंज में कई नेटवर्क तोड़े जाने के दावे भी सामने आए हैं। इसके बावजूद मैहर जिले के दो अलग अलग थानों में इतनी भारी मात्रा में गांजा और कफ सिरप की बरामदगी इस बात की ओर इशारा करती है कि सप्लाई चेन पूरी तरह ध्वस्त नहीं हुई है। शहर के गलियारों में चर्चा है क्या यह सिर्फ छोटे तस्करों की गिरफ्तारी है? क्या असली सरगना अब भी सुरक्षित हैं? आखिर वह कौन सा रास्ता है जिससे प्रतिबंधित कफ सिरप और गांजा शहर की सीमा में दाखिल हो रहा है? क्या मेडिकल स्टोर्स की आड़ में नेटवर्क पनप रहा है या फिर अंतरजिला गिरोह सक्रिय हैं?

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल माल पकड़ लेना पर्याप्त नहीं। असली चुनौती है फाइनेंसर सप्लायर और नेटवर्क के मास्टरमाइंड तक पहुंचना। जब तक आर्थिक जड़ों पर चोट नहीं होगी तब तक यह कारोबार नए चेहरों के साथ फिर खड़ा हो जाएगा। पुलिस कप्तान के सामने अब बड़ी परीक्षा है। क्या वे इस कार्रवाई को सिर्फ बरामदगी तक सीमित रखेंगे या फिर एक व्यापक ऑपरेशन चलाकर पूरी सप्लाई लाइन को तोड़ेंगे? जनता की अपेक्षा साफ है सिर्फ कार्रवाई की खबर नहीं बल्कि स्थायी समाधान चाहिए।

मैहर के नागरिकों की मांग है कि रेंज स्तर पर संयुक्त अभियान चलाया जाए सीमावर्ती इलाकों में चौकसी बढ़ाई जाए और खुफिया तंत्र को और धारदार बनाया जाए। साथ ही यह भी जांच हो कि आखिर किसकी शह पर यह जहर शहर तक पहुंच रहा है। कार्रवाई काबिले-तारीफ है लेकिन असली जीत तब मानी जाएगी जब मैहर की पावन धरती पर नशे की एक भी शीशी दाखिल न हो सके। अब देखना होगा–क्या यह प्रहार जड़ तक पहुंचेगा या फिर नशे के सौदागर नए रास्ते तलाश लेंगे?

40 हजार के 86 गांजे पौधे जब्त, एक गिरफ्तार

3 किलो 200 ग्राम पौधे बाड़े में लगाकर रखे थे

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के गोपालपुर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 86 गांजे के पौधे जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश और एसडीओपी रोशन कुमार जैन के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे नशामुक्त अभियान के तहत की गई। पुलिस टीम को मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी। मुखबिर ने बताया था कि ग्राम हमीदगंज वन बीज के अंतर्गत ग्राम मंजाखेड़ी में प्रेमसिंह कोरकू, जो प्रेमसिंह पिता गोकल भुसारिया के नाम से भी जाना जाता है, ने वन विभाग की पहाड़ी भूमि पर अवैध रूप से गांजे के पौधे लगा रखे हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल बताए गए स्थान पर दबिश दी। घेराबंदी कर प्रेमसिंह के कब्जे वाले बाड़े की तलाशी ली गई, जहां से कुल 86 हरे-भरे गांजे के पौधे बरामद हुए। जब्त किए गए इन पौधों का कुल वजन लगभग 3 किलो 200 ग्राम है। बाजार में इनकी अनुमानित कीमत 40,000 रुपये बताई जा रही है। इस कृत्य को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत अपराध मानते हुए, बाड़े के मालिक आरोपी प्रेमसिंह पिता गोकल भुसारिया निवासी मंजाखेड़ी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

पिपरिया के हथवास गांव में युवक ने लगाई फांसी :परिजनों ने सुबह फंदे पर लटका देखा

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के हथवास गांव में युवक राहुल कुशवाहा (30) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह परिजनों ने उसे घर में फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एसआई एसपी तिवारी ने बताया कि हथवास के मौर्य वार्ड निवासी राहुल पिता हरिशंकर कुशवाहा (30) ने अपने घर में फांसी लगाई थी, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

मृतक टाइल्स लगाने का काम करता था : मृतक के ससुर कीरत सिंह मौर्य ने बताया कि राहुल उनका दामाद था और उसकी बेटी से सगाई हो चुकी थी। बुधवार को कीरत सिंह अपनी पत्नी के साथ राहुल और बच्चों को घर पर छोड़कर सुहागपुर खेत देखने गए थे। गुरुवार सुबह लौटने पर उन्हें घटना का पता चला। राहुल के रिश्ते के चाचा बाबूलाल मौर्य ने बताया कि राहुल के माता-पिता नहीं हैं। वह टाइल्स लगाने का काम करता था। युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कोई ठोस कारण अभी तक सामने नहीं आया है। पुलिस बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

सिंगरौली के आमो गांव में आधी रात चोर पकड़ाया, ग्रामीणों ने खंभे से बांध ; जियावान पुलिस को सौंपा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के जियावान थाना क्षेत्र के आमो गांव में बुधवार देर रात चोरी की घटना सामने आई। एक घर में घुसे चोर को मकान मालिक ने रंगे हाथों पकड़ लिया। ग्रामीणों ने चोर को खंभे से बांधकर पुलिस को सौंप दिया। यह घटना रात करीब 1 बजे की है। गुरुवार को पुलिस ने मामला दर्ज किया है पीड़ित गृहस्वामी राम रती केवट ने बताया कि रात में उनके घर और किराने की दुकान से कुछ आहट सुनाई दी, जिससे उनकी नींद खुल गई। बाहर निकलने पर उन्होंने देखा कि कुछ लोग दुकान के अंदर घुसे हुए थे। उन्होंने तुरंत शोर मचाया, जिससे गांव के अन्य लोग और उनका बेटा भी मौके पर पहुंच गए। भगदड़ के दौरान राम रती केवट और उनके बेटे ने भागते हुए एक चोर को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम लवकुश बताया। वह घर की बहू के बैग से एक सोने का लॉकेट और किराने की दुकान से कुछ सामान चुराकर भागने की कोशिश कर रहा था। राम रती केवट के अनुसार, उनकी दुकान में यह चौथी चोरी की घटना है। इससे पहले भी तीन बार चोरी हो चुकी है। ग्रामीणों ने चोर को खंभे से बांधकर जियावान थाना पुलिस को सूचना दी।

चोर को पकड़कर थाने लाए: जियावान थाना प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिलते ही पुलिस टीम रात में मौके पर पहुंची। ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए चोर को थाने लाया गया है और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नर्मदापुरम की अग्रवाल एग्जोटिका में चोरी मामले में FIRतीन घरों के ताले टूटे, एक घर से 2 लाख से अधिक के जेवर चोरी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में हरदा बायपास स्थित पॉश कॉलोनी अग्रवाल एग्जोटिका में 21 फरवरी की रात को चार चोर बाउंड्रीवाल कूदकर अंदर घुसे थे। चोरों ने तीन घरों के ताले तोड़े। जिनमें से एक घर की अलमारी में रखा सोने का हार, मंगलसूत्र, टॉप्स, चांदी की पायल, चेन और 35हजार रुपए नगद चुरा ले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 2 लाख रुपए है। मामले में चार दिन बाद महिला चंपा अधिकारी ने देहात थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर कैद हुए थे। जिसमें वो बाउंड्रीवाल कूदते, घूमते और ताला तोड़कर घर में घुसते नजर आएं थे। 22 फरवरी को जब सुबह पड़ोसियों ने एक घर का दरवाजा खुला और ताला टूटा देखा, तब घटना का खुलासा हुआ। तीन सुने घरों के ताले टूटे मिले थे। सूचना मिलते ही देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे, एएसआई प्रवीण शर्मा, दीपक पाराशर और कपिल विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे। दो घरों से कुछ भी सामान चोरी नहीं होने से एफआईआर नहीं कराई थी। तीसरे मकान की मालकिन चंपा अधिकारी मुंबई गई थीं। मुंबई लौटकर जब उन्होंने अलमारी देखी तो उसमें रखा सोने का हार, 35हजार रुपए गायब थे।

स्कार्पियों ने किराना सामान से भरी पिकअप को मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाईवे पर गुरूवार सुबह एक हादसा हो गया। किराना सामान भरकर ले जा रही पिकअप वाहन को पीछे से स्कार्पियों ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। गनीमत रही कि कोई गंभीर नहीं है। पिकअप के पलटने से तेल-शक्कर सहित किराना सामान हाईवे पर बिखर गया। मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। घटना बोरगांव बुजुर्ग से पहले ग्राम कुमठी में नहर के पास हुई है। पिकअप और स्कार्पियों का एक्सीडेंट हो गया। ग्राम डोंगरगांव के रहने वाले पिकअप ड्राइवर सागर पिता सुरेश पाल ने बताया कि, स्कार्पियों तेज रफ्तार में थी। उसने पीछे से आकर टक्कर मार दी। वाहन से पलटने से बड़ा नुकसान हुआ है। वह खुद घायल हुआ है, जिसे कि कमर व गर्दन में चोंट आई है। गनीमत थी कि कार के एयरबैग खुल गए थे। इधर, ग्राम खिराला के रहने वाले स्कार्पियों ड्राइवर संजय कहार ने बताया कि, छोटा हाथी (पिकअप) के ड्राइवर ने अपने वाहन को तेज रफ्तार और लापरवाही पूर्वक चलाकर ले जा रहा था। उसने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे कि मेरी स्कॉर्पियो कार पीछे से टकरा गई। उसे पैर, घुटने व कंधे सहित पसिलयों में चोंटे आई है। बोरगांव चौकी के एएसआई प्रताप कर ली है।

नर्मदापुरम में बुजुर्ग ने गलत योनो एप डाउनलोड किया 6 बार में खाते से गायब हुए 4.47 लाख रुपए; पुलिस बोली- एपीके फाइल से बचे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में 67 साल के बुजुर्ग साइबर ठगी का शिकार हो गए। उनसे यह धोखाधड़ी प्ले स्टोर से गलत योनो (एपीके फाइल) डाउनलोड करने की वजह से हुई। ठग ने उनके खाते से 4 लाख 47 हजार 268 रुपए निकाल लिए। 18 से 20 फरवरी के बीच आरोपित ने 6 बार में खाते से यह रकम निकाली। खास बात यह कि 18-19 फरवरी को एक-एक भुगतान हुआ। जिसका उन्हें एक मैसेज तक नहीं आया। जबकि 20 फरवरी को चार बार खाते से भुगतान हुआ। जिनके मैसेज उन्हें आएं। जिससे वो घबरा गए। उन्होंने बैंक से संपर्क किया तो साइबर ठगी की जानकारी मिली।। जिसकी शिकायत उन्होंने साइबर सेल और कोतवाली थाने में की। पुलिस ने मामले में पांच दिन बाद साइबर ठगी की एफआईआर की।

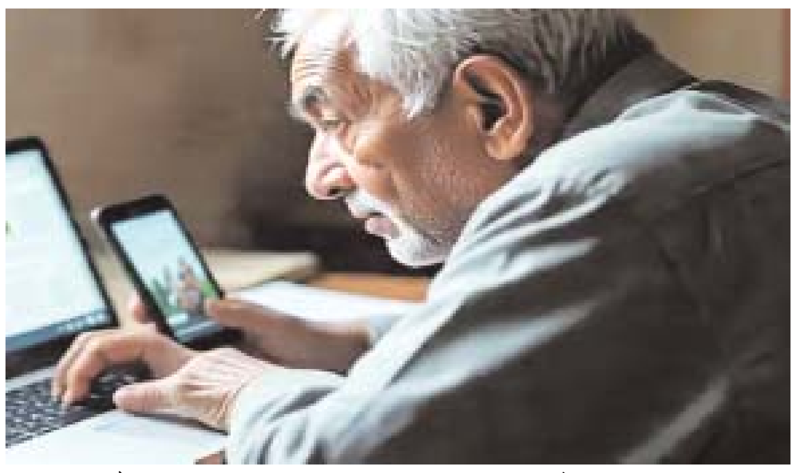

योनो एप की जगह एपीके फाइल डाउनलोड हुई : पीड़ित बुजुर्ग के मोबाइल में योनो एप नहीं था। कुछ दिन पहले बैंक कर्मचारियों ने पीड़ित को योनो एप डाउनलोड करने की सलाह दी। पीड़ित ने प्लेस्टोर से एप डाउनलोड किया। एप डाउनलोड करने के बाद जब एप को इंस्टाल किया तो प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई।

बाद में किसी व्यक्ति का बैंक कर्मी बनकर फोन आया और उसने कहा कि हम एक लिंक भेज रहे हैं उससे प्रक्रिया पूरी होगी और एप शुरू हो जाएगा। पीड़ित ने उसके कहे अनुसार वैसा किया। एपीके फाइल डाउनलोड करने के बाद उनका मोबाइल हैक हो गया लेकिन उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी।

सही प्लेटफॉर्म से ही डाउनलोड करें, एपीके फाइल से बचे : साइबर सेल प्रभारी संदीप यदुवंशी ने बताया साइबर ठग आरटीओ चालान, बिजली बिल की लिंक भेजकर, कॉल, व्हाट्सएप कॉल या गलत एप्स समेत अनेक माध्यमों से लोगों से साइबर ठगी करने का प्रयास करते है। साइबर ठग की ओर से भेजी लिंक, फाइल एपीके होती है। पहले को किसी भी एपीके फाइल को डाउनलोड न करें।

यदि गलती से ऐसा हो भी जाता है तो सबसे पहले अपने मोबाइल को एरोप्लेन मोड पर डाल दें। नेटवर्क के अभाव में आपका मोबाइल हैक होने से बच सकता है। इसके बाद मैनेज एप सेटिंग में जाकर तुरंत उस एप को डिलीट कर दें। अगर हैक होने की जानकारी लग जाएं तो बैंक पहुंचकर अपने खाते को सीज करवाएं जिससे कोई लेनदेन खाते से न हो पाए।

स्कूल के बाथरूम में 8वीं के छात्र का सिर फोड़ा, संचालक पर CCTV बंद कर मारपीट का आरोप

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के लिटिल फ्लावर स्कूल में कक्षा 8 के एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल संचालक राजेश द्विवेदी ने परीक्षा के दौरान छात्र का सिर फोड़ दिया। यह घटना स्कूल के बाथरूम में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित छात्र ने बताया कि बुधवार को वह विज्ञान की बोर्ड परीक्षा दे रहा था। दोपहर करीब 3:30 बजे जब वह बाथरूम गया, तो संचालक ने स्कूल के सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए। इसके बाद संचालक बाथरूम में पहुंचे और उसके बाल पकड़कर मारपीट की।

बच्चे बोला- सिर को दीवार से टकराया : पीड़ित छात्रा ने बताया मारपीट के दौरान उसका सिर दीवार से टकराया, जिससे उसे गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। घटना के बाद संचालक मौके से चले गए। स्कूल स्टाफ ने छात्र के पिता को सूचना दी कि उनका बेटा बाथरूम में गिर गया है। पीड़ित छात्रा के पिता ने आरोप लगाया कि वे पहले स्कूल में शिक्षक थे और साथ हीं मैनेजमेंट से जुड़े थे, लेकिन अपने पिता के निधन के बाद उन्होंने काम छोड़ दिया था। उनका कहना है कि स्कूल संचालक उन पर दोबारा काम शुरू करने का दबाव बना रहे थे और मना करने पर उनके बेटे को बोर्ड परीक्षा में फेल करने की धमकी दी गई थी।

स्कूल संचालक के बेटे ने भी अभद्रता की : पिता ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत की बात कहने पर संचालक के पुत्र उत्कर्ष द्विवेदी ने भी उनके साथ अभद्रता की।

महाराष्ट्र से आकर पनडुब्बी मोटर चुराने वाले दो गिरफ्तार

खेतों की रैकी कर करते थे चोरी; तीसरा आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर पुलिस ने खेतों से पनडुब्बी मोटर और केबल वायर चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी महाराष्ट्र से आकर मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस तीसरे फरार आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति चोरी की पनडुब्बी और केबल वायर बाइक पर ले जा रहे हैं। इस सूचना पर देड़तलाई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा।

23 फरवरी को देड़तलाई निवासी अनिल पिता चिंताराम मार्को ने अपने खेत से पानी की पनडुब्बी और केबल वायर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। गुरुवार को पुलिस ने शेखपुरा से देड़तलाई की ओर आ रहे विजय उर्फ गोलू पिता बलिराम कास्डेकर और मांगीलाल उर्फ नीतू पिता गोमा चतुरकर को पकड़ा। ये दोनों महाराष्ट्र के अमरावती जिले के कुसुमकोट थाना धारणी के निवासी हैं। उनके पास से चोरी की पनडुब्बी और केबल वायर बरामद हुए।

पूछताछ में आरोपियों ने तासी पुल के पास एक खेत से अपने साथी सतीश पिता छोटेलाल निवासी कुसुमकोट के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपियों से एक बाइक, एक पनडुब्बी और 300 फीट केबल वायर जब्त किए हैं। पुलिस ने विजय उर्फ गोलू और मांगीलाल उर्फ नीतू को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि सतीश पिता छोटेलाल अभी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

600 लोग खाटू श्याम में निशान यात्रा में पहुंचे खरगोन में भजनों पर थिरकते हुए निकले श्याम प्रेमी

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में तीन दिवसीय खाटू श्याम रंग फागुन महोत्सव गुरुवार से शुरू हो गया। महोत्सव के पहले दिन शहर में भक्तिपूर्ण भजनों और 'हारे के सहारे की जय' के जयकारों के बीच निशान यात्रा निकाली गई। इसमें 600 से अधिक श्याम प्रेमी शामिल हुए, जो हाथों में निशान लिए गाते-नाचते चल रहे थे। निशान यात्रा सुबह 10 बजे कुंदा तट स्थित श्री सिद्धी विनायक मंदिर से शुरू हुई। एक सुसज्जित बग्घी में श्री श्याम बाबा का दरबार सजाया गया था, जिसके दर्शन कर श्रद्धालुओं ने रास्तेभर आशीर्वाद लिया। यात्रा के दौरान आसमान में फूल उड़ाए गए और 'खाटू नरेश' के जयकारे गूंजते रहे, साथ ही सैकड़ों हाथों में निशान लहराते रहे।

निशान यात्रा में जगह-जगह रंग-गुलाब के फूलों की वर्षा की गई। बाबा श्याम की झांकी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए सड़क किनारे भक्तों की लंबी कतारें लगी थीं। ढोल-नगाड़ों के साथ निकली इस यात्रा में लोगों ने नृत्य करते हुए जमकर गुलाल उड़ाया। श्याम प्रेमी ऋतुराज सोनी ने बताया कि पहले दिन बाबा की निशान यात्रा जैतपुर स्थित उनके मंदिर पहुंची। शुक्रवार को रंगभरी ग्यारस के अवसर पर बाबा मंदिर में दर्शन देंगे। इसी दिन बाबा ने अपना शीश अर्पित किया था। महोत्सव के तीसरे दिन, द्वादशी को निशान लगाए जाएंगे।

छतरपुर में तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर शहर के व्यस्त बस स्टैंड इलाके में एक सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जटाशंकर होटल के सामने एक तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज गति से आ रही थी और अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा से टकरा गई। टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल ई-रिक्शा चालक को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल कार का नंबर एमपी 16 सी बी 4207 है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फरार कार चालक का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

भारत की एफआईएच प्रो लीग में पहली जीत

ऑस्ट्रेलिया को शूटआउट में हराया

होबार्ट, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को यहां विश्व में तीसरे नंबर की टीम ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच प्रो लीग में लंबे समय से चले आ रहे हार के सिलसिले को खत्म कर दिया। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। इस जीत से भारत का प्रो लीग के अगले चरण से पहले मनोबल बढ़ेगा। पहले तीन क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के सामने हर तरह से कड़ी चुनौती पेश की। पहले तीन क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। ऑस्ट्रेलिया ने आखिर में 49वें मिनट में जेरेमी हेवर्ड के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की मदद से बढ़त हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया की यह खुशी हालांकि क्षणिक रही क्योंकि शिलानंद लाकड़ा (51वें मिनट) ने दो मिनट बाद ही एक शानदार मैदानी गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की पूरी कोशिश की लेकिन असफल रहीं और मैच शूटआउट में चला गया, जहां भारत ने जीत दर्ज करके दो अंक हासिल किए जबकि ऑस्ट्रेलिया को एक अंक मिला। भारत की तरफ से शूटआउट में लाकड़ा, मनिंदर सिंह और विष्णुकांत सिंह ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र गोल हेवर्ड ने किया। भारतीय गोलकीपर मोहित शशिकुमार होन्नेनहल्ली ने ऑस्ट्रेलिया के बाकी खिलाड़ियों के शॉट रोककर जीत में अहम भूमिका निभाई। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी। ऑस्ट्रेलिया ने गेंद पर अधिक नियंत्रण बनाया लेकिन भारत की रक्षापंक्ति का खेल भी शानदार रहा। भारतीय टीम ने इसके अलावा जवाबी हमले भी किए। भारतीय गोलकीपर मोहित में शुरू में कुछ बहुत अच्छे बचाव किए। भारत को अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर 11वें मिनट में मिला लेकिन अमनदीप लाकड़ा इस पर गोल नहीं कर पाए। इसके कुछ देर बाद भारत ने बाएं छोर से मौका बनाया लेकिन अभिषेक का शॉट बाहर चला गया। दूसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों के बीच कोई अंतर नहीं रहा। खेल के 16वें मिनट में अभिषेक ने सर्कल के अंदर गेंद को अच्छी तरह से नियंत्रित करके उसे मनमीत सिंह को दिया जिनका शॉट ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने बचा लिया।

ऑस्ट्रेलिया को 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारत के गोलकीपर सूरज करकेरा ने उसे बचा दिया। भारत को 38वें मिनट में दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन अराइजीत सिंह हुंदल के शॉट को ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने आसानी से रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने क्रमशः 42वें और 45वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन वह इन पर गोल करने में नाकाम रहा।

अंतिम क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान हेवर्ड ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया लेकिन भारत ने जवाबी हमला करके हिसाब बराबर कर दिया। हार्दिक सिंह ने दाहिने छोर से मूव बनाया और अभिषेक को पास दिया जिसे उन्होंने पूवन्ना चंदुरा बोबी के पास सरका दिया। पूवन्ना ने गोल के पास में खड़े शिलानंद लाकड़ा को पास दिया जिन्होंने गोल करने में कोई गलती नहीं की। प्रो लीग का राउरकेला चरण भारत के लिए निराशाजनक रहा था जहां वह अपने सभी चार मैच में हार गया था। इसके बाद होबार्ट चरण में भी भारत ने हार के साथ शुरुआत की। भारत पहले मैच में स्पेन से 0-2 से हार गया था।

इसके बाद उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में शूटआउट में 4-5 से हार का सामना करना पड़ा। स्पेन के खिलाफ मंगलवार को खेले गए दूसरे मैच में 1-1 के ड्रॉ के बाद भारतीय टीम पेनल्टी शूटआउट में 3-4 से हार गई। नौ टीमों की इस प्रतियोगिता में भारत फिलहाल आठवें स्थान पर है और उसने आठ मैचों में सिर्फ चार अंक हासिल किए हैं। भारत रोटरडम चरण में नीदरलैंड और जर्मनी के खिलाफ खेलेगा, जिसकी शुरुआत 21 जून को मेजबान टीम के खिलाफ मैच से होगी।

पाकिस्तान अब भी सेमीफाइनल में पहुंच सकता है

इस टीम के हाथ में पूरा खेल

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का टी20 विश्व कप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को सुपर-8 मुकाबले में इंग्लैंड से मिली हार के बाद पाकिस्तान सेमीफाइनल से बाहर होने की कगार पर पहुंच सकता है और कोई चमत्कार ही अब उसे शीर्ष-4 में जगह दिला सकता है। आइए जानते हैं कि ग्रुप 2 का कौन सा समीकरण पाकिस्तान को अब भी टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा सकता है। ग्रुप 2 में पाकिस्तान, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड हैं। सभी टीमों को 3-3 मैच खेलने हैं।

इंग्लैंड, श्रीलंका, और पाकिस्तान पर जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड का तीसरा और आखिरी मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 फरवरी को खेला जाना है।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच सुपर-8 का पहला मुकाबला 21 फरवरी को कोलंबो में खेला जाना था। बारिश की वजह से बिना एक भी गेंद फेंके इस मैच को रद्द कर दिया गया था और दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बांट दिए गए थे। इस मैच के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पाकिस्तान को अपने दोनों मैच जीतना जरूरी था, लेकिन मंगलवार को इंग्लैंड के खिलाफ हार ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल से बाहर होने की कगार पर ला दिया है। सेमीफाइनल के लिए पाकिस्तान को अब अपने प्रदर्शन के अलावा दूसरी टीमों पर निर्भर रहना होगा।

सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान को 28 फरवरी को श्रीलंका के खिलाफ होने वाला अपना आखिरी सुपर-8 मुकाबला बड़े अंतर से जीतना होगा। इस जीत के साथ पाकिस्तान के 3 अंक हो जाएंगे और रन रेट भी बेहतर हो जाएगा। वहीं, पाकिस्तान को उम्मीद करनी होगी कि न्यूजीलैंड श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ अपने आखिरी दो मैच हार जाएं। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान के 3 अंक होंगे, न्यूजीलैंड के 1 और श्रीलंका के दो अंक होंगे। इस तरह पाकिस्तानी टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है।

इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में पहुंचकर बनाया रिकॉर्ड

भारतीय टीम को इस मामले में पछाड़ा

नई दिल्ली । इंग्लैंड ने मंगलवार को खेले गए सुपर-8 मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। विश्व कप के इस संस्करण में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली इंग्लैंड पहली टीम बन गई है। यह लगातार पांचवां मौका है जब इंग्लैंड टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। 2016 से इंग्लैंड लगातार टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल खेली है। पाकिस्तान (2007 से 2012) और श्रीलंका (2009 से 2014) भी लगातार 4-4 बार सेमीफाइनल में पहुंची हैं। टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम के रूप में पाकिस्तान के साथ अब इंग्लैंड का नाम भी जुड़ गया है। पाकिस्तान 6 सेमीफाइनल खेल चुकी है, जबकि इंग्लैंड छठी बार सेमीफाइनल में पहुंची है। भारतीय टीम 5 बार सेमीफाइनल खेली है।

छठी बार सेमीफाइनल में पहुंचकर इंग्लैंड ने जहां पाकिस्तान की बराबरी की है, वहीं भारतीय टीम को पीछे छोड़ा है। भारतीय टीम के पास भी सेमीफाइनल में जगह बनाकर इंग्लैंड और पाकिस्तान की बराबरी का मौका है।

इंग्लैंड ने 2010, 2016 और 2022 में टी20 विश्व कप का फाइनल खेला है। 2010 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को और 2022 में पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था। 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय टीम ने भी तीन टी20 विश्व कप फाइनल खेले हैं। 2007 में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर विश्व कप जीता था। 2014 में टीम इंडिया को अपने दूसरे फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। 2024 में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना दूसरा खिताब जीता था।

पाकिस्तान टीम 2007, 2009 और 2022 का फाइनल खेली है। पाकिस्तान को 2007 में भारत और 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। 2009 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराकर अपना एकमात्र टी20 विश्व कप जीता था।

बन सकते हैं टीम इंडिया के हीरो

11 साल बाद किस्मत फिर दे रही संजू को मौका

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम और जिम्बाब्वे के बीच टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 का बेहद अहम मुकाबला एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में गुरुवार को शाम 7 बजे से खेला जाएगा। सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना को जिंदा रखने के लिए भारतीय टीम के लिए इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करना जरूरी है। सुपर-8 के पहले मैच में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार ने सेमीफाइनल के लिए टीम इंडिया के रास्ते मुश्किल कर दिए हैं। इसलिए अगले स्टेज की पहली शर्त भारतीय टीम के लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत है। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय टीम बदले हुए प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी टूर्नामेंट में चिंता का विषय रही है। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले तिलक वर्मा और मीडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने वाले रिंकू सिंह अब तक अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में भी तीनों फ्लॉप रहे थे।

इन तीनों बल्लेबाजों में किसी एक की जगह संजू सैमसन की टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में एंट्री हो सकती है। संजू ओपनिंग के साथ ही मध्यक्रम में भी खेल सकते हैं। विश्व कप में उन्हें अब तक सिर्फ एक मैच में खेलने का मौका मिला है। ग्रुप स्टेज में नामीबिया के खिलाफ हुए मैच में संजू ने 8 गेंदों में 22 रन की पारी खेली थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में अगर संजू सैमसन को मौका मिलता है, तो यह उनके करियर के लिए बेहद अहम होगा। एक अच्छी पारी सैमसन के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह पक्की कर सकती है। वह टीम के हीरो बन सकते हैं।

संजू सैमसन के लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना पुरानी यादों की ओर लौटने की तरह है। दरअसल, 19 जुलाई 2015 को जिम्बाब्वे के खिलाफ ही संजू ने टी20 से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था। पिछले 11 साल में सैमसन अब तक टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं। किस्मत एक बार फिर उन्हें इसी टीम के खिलाफ मौका देने वाली है। सैमसन इस मैच में प्रभावी पारी खेल अपनी जगह तो सुरक्षित कर ही सकते हैं, भारतीय टीम के लिए भी सेमीफाइनल का रास्ता खोल सकते हैं। सैमसन 58 टी20 मैचों की 50 पारियों में 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाते हुए 1100 रन बना चुके हैं।

किस तरह सेमीफाइनल में पहुंचेगी इंडिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और जिम्बाब्वे के बीच गुरुवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का 'सुपर-8' मुकाबला एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाना है, जिसे जीतना टीम इंडिया के लिए बेहद जरूरी होगा। हालांकि, इस मुकाबले से पहले ही भारतीय टीम की किस्मत काफी हद तक तय हो जाएगी। गुरुवार को भारत-जिम्बाब्वे मैच से पहले साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच सुपर-8 का मुकाबला खेला जाना है, जिसमें साउथ अफ्रीका की जीत भारत के लिए फायदेमंद होगी। आइए, इस समीकरण को समझते हैं। सुपर-8 में जिम्बाब्वे को 107 रन से रौंदकर वेस्टइंडीज +5.350 नेट रन रेट के साथ ग्रुप-1 में शीर्ष पर है, जबकि साउथ अफ्रीकी टीम भारत को 76 रन से मात देने के बाद +3.800 नेट रन रेट के साथ दूसरे पायदान पर मौजूद है। भारत (-3.800 नेट रन रेट) सुपर-8 का पहला मैच गंवाने के बाद प्वाइंट्स टेबल में तीसरे और जिम्बाब्वे (-5.350 नेट रन रेट) चौथे स्थान पर मौजूद है।

अगर टीम इंडिया अपने अगले मुकाबलों में जिम्बाब्वे (26 फरवरी) और वेस्टइंडीज (1 मार्च) को मात देती है, तो उसके 4 अंक होंगे। इसके साथ ही अगर साउथ अफ्रीकी टीम वेस्टइंडीज (26 फरवरी) और जिम्बाब्वे (1 मार्च) को शिकस्त दे, तो उसके पास 6 प्वाइंट्स होंगे। ऐसे में वेस्टइंडीज के पास 2 अंक होंगे, जबकि जिम्बाब्वे के पास 0 अंक होगा और टीम इंडिया ग्रुप-1 में दूसरे पायदान पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लेगी। अगर गुरुवार के मुकाबले में वेस्टइंडीज की टीम साउथ अफ्रीका को मात देती है और साउथ अफ्रीकी टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत दर्ज करती है, तो भारत, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के पास 4-4 अंक होंगे। ऐसे में बेहतरीन नेट रन रेट वाली दो टीमें सेमीफाइनल में होंगी। नॉकआउट में पहुंचने के लिए भारत को जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। ग्रुप-2 में इंग्लैंड सुपर-8 के शुरुआती दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल करने वाली पहली टीम बनी है। इस ग्रुप में पाकिस्तान के लिए अगले दौर में पहुंचना मुश्किल हो गया है।

बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बताया रिंकू सिंह टीम इंडिया से कब जुड़ेंगे?

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 का अपना दूसरा मुकाबला गुरुवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई में खेलना है। यह मुकाबला बेहद अहम है और सुपर-8 में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को इस मैच में जीत बेहद जरूरी है। मैच से पहले टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने रिंकू सिंह की उपलब्धता पर बड़ा बयान दिया है। सितांशु कोटक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रिंकू बुधवार शाम तक टीम से जुड़ जाएंगे। रिंकू सिंह के पिता कैंसर से जूझ रहे हैं और नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती हैं। मंगलवार को खबर आई थी कि रिंकू अपने पिता की देखभाल के लिए टीम छोड़कर अस्पताल पहुंचे थे।

बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को भारतीय टीम का बेहतरीन फिनिशर माना जाता है। हालांकि, टी20 विश्व कप 2026 में अब तक उनका बल्ला शांत रहा है।

चैंपियंस लीगः बोडो/ग्लिट पहली बार अंतिम-16 में पहुंची, न्यूकैसल भी अगले दौर में

नई दिल्ली, एजेंसी । नॉर्वे के क्लब बोडो/ग्लिम्ट ने इतिहास रच दिया है। टीम पहली बार चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई है। बोडो/ग्लिम्ट ने इंटर मिलान को 5-2 के एग्रीगेट स्कोर से हराया। तीन बार के यूरोपियन चैंपियन के खिलाफ नॉर्वे की टीम की यह जीत बेहद शानदार रही। मेहमान टीम को शुरुआती घंटे में ज्यादातर समय नेराजुरी के लगातार दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन पूर्व एसी मिलान अटैकर जेंस पीटर हॉग ने अहम गोल दागकर अपनी टीम की राह आसान की। उनके करीबी फिनिश और हैकन एनजन के शानदार गोल से बोडो/ग्लिम्ट ने मजबूत बढ़त बना ली। इंटर ने अंत में वापसी की कोशिश की। मैनुअल अकांजी ने फेडेरिको डिमार्को के कटबैक पर गोल किया, जबकि एलेसेंड्रो बास्टोनी ने भी स्कोर किया,

लेकिन यह जीत छीनने के लिए पर्याप्त नहीं था।

कोच केजेटिल नुटसेन की टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। दूसरे मुकाबले में न्यूकैसल यूनाइटेड ने कराबाग एफके को 3-2 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। पहले लेग में 6-1 की बढ़त लेने के बाद न्यूकैसल ने कुल 9-3 से मुकाबला अपने नाम किया। यह मुकाबला चैंपियंस लीग इतिहास के सर्वाधिक गोलों वाले मुकाबलों में से एक था।

शुरुआती मिनटों में सैंड्रो टोनाली और जोएलिंटन ने गोल कर बढ़त मजबूत की। दूसरे हाफ में स्वेन बॉटमैन ने भी योगदान दिया। वहीं, कराबाग की ओर से एल्विन जाफरगुलियेव ने गोल किया, जबकि गोलकीपर आरोन राम्सडेल ने पेनल्टी बचाकर टीम को राहत दी।

मैच के बाद न्यूकैसल के मैनेजर एडी होवे ने कहा, 'इस स्तर पर कोई भी ड्रॉ आसान नहीं होता। हमने खासकर अवे मैच में शानदार प्रदर्शन किया और टीम ने दबाव को बखूबी संभाला। 'अंतिम 16 में न्यूकैसल का सामना चेल्सी या बार्सिलोना से हो सकता है।

20वी ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल कल से

खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे उद्घाटन

जयपुर, एजेंसी। युवा मामले एवं खेल तथा उद्योग मंत्री और ओलम्पिक रजत पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ गुरुवार की शाम 5 बजे सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में आयोजित हो रही तीन दिवसीय 20वी ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप-2025-26 के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल, भारतीय महिला हैंडबॉल टीम के

हेड कोच सचिन चौधरी भी मौजूद रहेंगे। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि लोकप्रिय राज्य कर्मचारी नेता एवं कुशल खेल प्रशासन रहे स्व. हनुमान सिंह की स्मृति में हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वाधान में राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ एवं हनुमान सिंह फाउंडेशन द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मेजबान राजस्थान सहित देश की 10 शीर्ष टीमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, नॉर्दर्न रेलवे, बीएसएफ, सीआईएसएफ व एलपीयू-फगवाड़ा भाग ले रही है। उन्होंने बताया कि सभी टीमों को दो पूल पूल एः- राजस्थान, उत्तर प्रदेश, सीआईएसएफ, एलपीयू-फगवाड़ा, दिल्ली, पूल बीः- बीएसएफ, नॉर्दर्न रेलवे, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब में बांटा गया है। प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट आधार पर खेली जायेगी।प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को हनुमान सिंह ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

नवजीवन की ओर बढ़ते कदम:

पुनर्वास नीति से बदली तकदीर, बदली तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की मानवीय, संवेदनशील एवं दूरदर्शी पुनर्वास नीति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नई इबारत लिख रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशा अनुरूप जिला प्रशासन सुकमा द्वारा आत्मसमर्पित माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत पहल की जा रही है।

जिला मुख्यालय सुकमा स्थित नक्सल पुनर्वास केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में 70 आत्मसमर्पित युवाओं को अत्याधुनिक 5जी स्मार्टफोन तथा 31 युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट वितरित की गई। कार्यक्रम कलेक्टर श्री अमित कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री किरण चव्हाण एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकुंद ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अधिकारियों ने पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद स्थापित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

जिला प्रशासन का कहना है कि पुनर्वास केवल आत्मसमर्पण तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भरता, सम्मानजनक जीवन और स्थायी आजीविका से जुड़ा समग्र प्रयास है। इसी सोच के अनुरूप 70 युवाओं को सैमसंग गैलेक्सी 5जी स्मार्टफोन प्रदान किए गए। 50 मेगापिक्सल डुअल कैमरा एवं 5000 मेगाहर्ज फास्ट चार्जिंग बैटरी जैसी आधुनिक सुविधाओं से युक्त ये स्मार्टफोन युवाओं को डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन प्रशिक्षण, कौशल विकास कार्यक्रमों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी से सीधे जोड़ने में सहायक होंगे। साथ ही 31 युवाओं को मेसन किट उपलब्ध कराकर उन्हें निर्माण कार्यों में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया गया है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल आत्मसमर्पण सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि इन युवाओं को सम्मानजनक एवं सुरक्षित जीवन उपलब्ध कराना है। पुनर्वास केंद्र के माध्यम से उन्हें कौशल प्रशिक्षण, शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में सशक्त रूप से आगे बढ़ सकें।

प्रतापगिरी, तोंगपाल निवासी श्री भीमा ने बताया कि लगभग 15 वर्षों तक नक्सल संगठन से जुड़े रहने के बाद पुनर्वास का निर्णय उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय सिद्ध हुआ है। पुनर्वास केंद्र में उन्हें आवास, भोजन एवं प्रशिक्षण की समुचित सुविधा मिल रही है तथा वे राजमिस्त्री का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। स्मार्टफोन मिलने से वे डिजिटल माध्यम से नई जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे।

सिंघनपारा, बड़े सेटी निवासी श्री बुधरा ने भी पुनर्वास केंद्र की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यहां का जीवन सुरक्षित एवं सम्मानजनक है। प्रशासन द्वारा उन्हें मोबाइल, मेसन किट के साथ-साथ आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड एवं जॉब कार्ड भी प्रदान किया गया है। किसी भी तरह कि समस्या आने पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित समाधान किया जाता है। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं, बल्कि विश्वास, विकास एवं सामाजिक समरसता की सशक्त मिसाल बनी है।

जेलपारा एनीकट एवं टेंगापाली वितरक के कार्यों के लिए 8.19 करोड़ रुपए स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा रायगढ़ जिले के अंतर्गत केलो नदी पर दो सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 8 करोड़ 19 लाख 64 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। स्वीकृत कार्यों में विकासखण्ड-रायगढ़ अंतर्गत केलो नदी पर जेलपारा एनीकट के जीर्णोद्धार कार्य के लिए 3 करोड़ 85 लाख 79 हजार रुपए स्वीकृत किए है। प्रस्तावित कार्य से एनीकट का मरम्मत एवं समस्त क्षतिग्रस्त गेट का पुर्ननिर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। विकासखण्ड-पुसौर के अंतर्गत केलो परियोजना के टंगापाली विरतक नहर के कांक्रीट लाईनिंग कार्य के लिए 4 करोड़ 33 लाख 85 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के कार्यों के पूरा हो जाने पर योजना की रूपांकित सिंचाई क्षेत्र 1151.53 हेक्टेयर में 258.53 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा होगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना से सच हो रहा पक्के आशियाने का सपना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुदूर वनांचल में जीवन केवल भौगोलिक कठिनाइयों तक सीमित नहीं है, बल्कि असुरक्षा, संसाधनों की कमी और भविष्य की अनिश्चितताओं से भी जूझना पड़ता है। ऐसे ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत बादा निवासी नक्सल पीड़ित श्री धरमपाल ने लंबे समय तक संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत किया। सीमित आय, जर्जर कच्चा मकान और परिवार की सुरक्षा की चिंता उनके जीवन का स्थायी हिस्सा बन चुकी थी।

श्री धरमपाल ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय रामसाय गांव के पटेल थे और कृषि कार्य से परिवार का भरण-पोषण करते थे, किंतु माओवादी हिंसा की घटना में उनके पिता की हत्या हो जाने के बाद परिवार पर गहरा आर्थिक एवं मानसिक आघात पड़ा। परिवार में उनकी माता, दो पुत्र एवं पांच पुत्रियों के समक्ष आजीविका और सुरक्षा की गंभीर चुनौती उत्पन्न हो गई। पिता के असामयिक निधन के पश्चात श्री धरमपाल ने मेहनत-मजदूरी कर किसी प्रकार परिवार का पालन-पोषण किया। परिवार लंबे समय से मिट्टी एवं खपरैल से निर्मित जर्जर कच्चे मकान में निवास कर रहा था, जहां वर्षा और अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों में असुविधा एवं असुरक्षा बनी रहती थी। ऐसे समय में शासन की पहल से वर्ष 2024-25 में नक्सल पीड़ित परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें स्थायी आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष प्राथमिकता दी गई।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मु त बिजली योजना से विकास शर्मा को बिजली बिल से मिली राहत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। साथ ही भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले में इस योजना के प्रति आमजन में तेजी से रूचि बढ़ रही है और लोग सोलर पैनल लगाकर बिजली बचत के साथ-साथ ऊर्जा-दाता भी बन रहे हैं।

सूरजपुर जिला के विकासखण्ड राजपुर के ग्राम लड़ुवा निवासी श्री विकास शर्मा ने अपने घर के छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है। सोलर पैनल लगवाने में केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपये और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले हर माह उनका बिजली बिल अधिक आता था, परन्तु सोलर पैनल लगने से अब उन्हें अधिक बिजली बिल की चिन्ता से मुक्ति मिलेगी। साथ ही इसके अलावा अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर वह ग्रिड में भी जमा होगी, जिसका उपयोग जरूरत पडने पर भविष्य में किया जा सकता है। श्री विकास शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत की उपयोगी एवं लाभकारी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ लेकर बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा-दाता बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दें।

ऊर्जा विभाग सचिव रोहित यादव ने छीसगढ़ में ग्रीन हाइड्रोजन की संभावनाओं पर की चर्चा

हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं पर अर्धदिवसीय सेमिनार आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) द्वारा आज छत्तीसगढ़ को ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा ग्लोबल क्लीन एनर्जी के विस्तार के उद्देश्य से अर्धदिवसीय सेमिनार का आयोजन कोर्टयार्ड बाय मैरियट में किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग के सचिव श्री रोहित यादव (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सचिव श्री रोहित यादव ने कहा कि सेमिनार का उद्देश्य राज्य के औद्योगिक परिवेश में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ावा देना तथा पारंपरिक औद्योगिक ईंधनों के स्थान पर स्वच्छ विकल्पों को अपनाने की दिशा में कार्य करना है। उन्होंने बताया कि बायोमास आधारित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की संभावनाओं को देखते हुए इसे प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिलने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकेगी।

सेमिनार में चर्चा के दौरान बताया गया कि छत्तीसगढ़ में कृषि अवशेष, डेयरी उद्योग से उत्पन्न अपशिष्ट, फल एवं सब्जी मंडियों का जैविक कचरा तथा गोबर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। उपयुक्त तकनीक के माध्यम से इनके प्रसंस्करण द्वारा बड़े पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं।

राज्य में स्टील एवं स्पंज आयरन उद्योग का मजबूत आधार रायपुर और उसके आसपास के क्षेत्र जैसे उरला, सिलतरा, भिलाई तथा रायगढ़ के औद्योगिक क्षेत्रों में है। इसके अतिरिक्त जगदलपुर एवं बस्तर में भी औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हैं। इन क्षेत्रों में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग से औद्योगिक डिकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा मिलेगा तथा राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित पर्यावरणीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता मिलेगी।

ग्रीन हाइड्रोजन को औद्योगिक ईंधन के रूप में अपनाने से दोहरे लाभ होंगे– एक ओर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, वहीं बायोमास के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में वृद्धि होगी। यह पहल भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अपशिष्ट से आय सृजन तथा नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगी।

ऊर्जा विभाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमित सरकार ने कहा कि सेमिनार का उद्देश्य राज्य के औद्योगिक इकोसिस्टम में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ावा देना, भविष्य के अनुसंधान की दिशा तय करना, संभावित बाधाओं की पहचान करना तथा इसके व्यापक क्रियान्वयन के लिए मार्ग प्रशस्त करना है। सेमिनार में उपस्थित विशेषज्ञों ने भी अपने विचार साझा किए।

शासन की योजना से दूर हुई बेटी के भविष्य की चिंता

चिरायु दल ने लौटाई मासूम रंजना की मुस्कान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बकावण्ड ब्लॉक के ग्राम जामगुड़ा (धनपुर) में रहने वाले महेश भारती के घर जब बेटी रंजना का जन्म हुआ, तो खुशियों के साथ-साथ एक गहरी चिंता ने भी दस्तक दी। मासूम रंजना जन्मजात क्लेफ्ट लिप (कटे होंठ) की समस्या से ग्रसित थी।

जैसे-जैसे रंजना बड़ी हो रही थी, माता-पिता के मन में अपनी बेटी के भविष्य, उसकी पढ़ाई और समाज में उसे मिलने वाली स्वीकार्यता को लेकर डर गहराता जा रहा था। सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक तंगी थी। एक साधारण परिवार के लिए निजी अस्पतालों में ऑपरेशन का भारी-भरकम खर्च उठा पाना असंभव सा था, जिससे माता-पिता स्वयं को असहाय महसूस कर रहे थे।

उनकी इस मायूसी के बीच उम्मीद की पहली किरण 19 जून 2025 को तब जगी, जब चिरायु दल बकावण्ड की टीम आँगनबाड़ी केंद्र पहुँची। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान टीम ने रंजना की स्थिति को पहचाना और माता-पिता को ढांढस बंधाते हुए उसे जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र रेफर किया। इसके बाद की राह जिला स्वास्थ्य समिति

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से सशक्त हुई महिलाएं

स्व सहायता समूह के माध्यम से मिला रोजगार एवं आजीविका का सशक्त आधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन गया है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल स्वरोजगार की दिशा में अग्रसर हो रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ बना रही हैं। मुंगेली जिले के ग्राम चकरभाठा की उजाला स्व सहायता समूह की सदस्य श्रीमती सुनीता शर्मा इसकी उदाहरण हैं। साधारण गृहिणी के रूप में जीवन व्यतीत कर रही सुनीता शर्मा के परिवार की आर्थिक स्थिति पूर्व में अत्यंत कमजोर थी। परिवार का भरण-पोषण दैनिक मजदूरी पर निर्भर था। सीमित आय के कारण बच्चों की

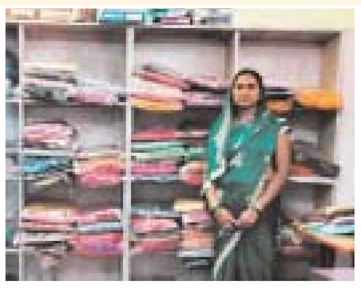

शिक्षा तथा घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति करना भी कठिन हो रहा था। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हार न मानते हुए स्व सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया।

समूह के माध्यम से उन्हें नियमित बचत, आंतरिक ऋण सुविधा तथा लघु व्यवसाय संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। प्रारंभ में उन्होंने 20 हजार रुपये का ऋण लेकर घर से ही रेडीमेड कपड़ों का छोटा व्यवसाय प्रारंभ किया। व्यवसाय की प्रगति को देखते हुए उन्होंने 50 हजार रुपये का अतिरिक्त ऋण लेकर अपनी दुकान का विस्तार किया। कड़ी मेहनत, लगन एवं समुचित प्रबंधन के परिणामस्वरूप आज वे अपने व्यवसाय से प्रतिमाह 50 हजार से 70 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। इससे न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, बल्कि बच्चों की शिक्षा एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति भी सुचारु रूप से हो रही है। उल्लेखनीय है कि वे अपने प्रतिष्ठान के माध्यम से अन्य महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा रही हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।

किसानों, महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाला बजट: शशिकांत द्विवेदी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) के प्राधिकारी श्री शशिकांत द्विवेदी ने वित मंत्री ओपी चौधरी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत 1,72,000 करोड़ रूपए का बजट को किसानों, महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली बजट बताया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा हमारा गांव, हमारी सरकार की अवधारणा को साकार करने हेतु ग्रामीण विकास, कृषि उन्नयन एवं महिला सशक्तिकरण पर विशेष प्रावधान किए गए हैं। बजट में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शामिल की गई हैं, जिनका लाभ प्रदेश की हजारों महिलाओं को मिलेगा।

श्री द्विवेदी ने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि उन्नति योजना के साथ ही कृषि, सिंचाई एवं आजीविका से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने पर बल दिया गया है।

किसानों को कर्ज के बोझ से राहत देने हेतु सहकारी बैंकों के माध्यम से 300 करोड़ रूपए की ब्याजमुक्त अल्पकालीन कृषि ऋण योजना जारी रखने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत किसानों को बिना ब्याज के फसली ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे खाद-बीज एवं कृषि उपकरणों की व्यवस्था सुगमता से हो सकेगी। फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी, रागी एवं कपास जैसी फसलों को विशेष योजना में शामिल किया गया है। इसके लिए 10,000 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही धान खरीदी व्यवस्था को मजबूत करने हेतु 6,000 करोड़ रूपए की राशि निर्धारित की गई है।

एक एकड़ में सवा लाख रुपए का मुनाफा देने वाला पाम ऑयल की खेती

किसान मुकेश कमा रहे हैं एक पेड़ से 3 हजार रुपए वार्षिक आय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पाम ऑयल उत्पादन में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने, आयात पर निर्भरता कम करने तथा किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल - ऑयल पाम योजना महासमुंद जिले के किसानों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। इस योजना के माध्यम से किसान अपनी बंजर भूमि को उपजाऊ बनाकर लाखों रुपये की वार्षिक आय अर्जित कर रहे हैं और अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन रहे हैं। जिले में इस योजना तहत लगभग 400 किसान लगभग 450 हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम की खेती कर रहे हैं। इसी क्रम में सरायपाली भलेसर गांव के उन्नत किसान श्री मुकेश चंद्राकर, जिन्होंने वर्षों से बंजर पड़ी अपनी 33 एकड़ भूमि पर वर्ष 2016 में ऑयल पाम की खेती प्रारंभ की। वे शासन की योजना से पाम खेती के लिए प्रेरित हुए और अपनी पूरी भूमि पर लगभग

1900 पौधे लगाए। योजना के अंतर्गत उन्हें पौध प्रदाय, फेंसिंग, रखरखाव तथा ड्रिप सिंचाई जैसी सुविधाएं अनुदान पर मिला। तीन से चार वर्षों में उत्पादन प्रारंभ हुआ, जो लगभग 35 वर्षों तक लगातार फल देता रहेगा। वर्तमान में श्री चंद्राकर एक पौधे से औसतन 3000 रुपये वार्षिक आय अर्जित कर रहे हैं। प्रति एकड़ लगभग 1 लाख 25 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने पाम पौधों के बीच अंतरवर्तीय फसल के रूप में पहले केले की खेती की, जिससे उन्हें लगभग डेढ़ लाख रुपए का लाभ हुआ। वर्तमान में वे कोको की खेती कर निजी कंपनियों को उत्पाद विक्रय कर रहे हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। श्री चंद्राकर बताते है कि कम पानी, कम खाद एवं कम कीटनाशक में अधिक उत्पादन और बेहतर लाभ मिलने के कारण किसानों को पाम की खेती अपनानी चाहिए। श्री चंद्राकर न केवल आत्मनिर्भर बने हैं, बल्कि अपने खेतों में दो दर्जन से अधिक लोगों को स्थायी रोजगार भी प्रदान कर रहे हैं। स्थानीय मजदूरों के अनुसार, पहले रोजगार के लिए भटकना पड़ता था, जबकि अब वर्षभर यहीं नियमित कार्य उपलब्ध हो रहा है।

बस्तर से वैश्विक मंच तक छीसगढ़ पर्यटन की नई उड़ान

सामुदायिक पर्यटन मॉडल एवं यूएन बेस्ट टूरिज्म विलेज मानकों की दिशा में बढ़ते कदम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में इन दिनों पर्यटन विकास की एक नई और सकारात्मक इबारत लिखी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और हिवा कोचिंग एंड कंसल्टिंग की संस्थापक सुश्री किर्सी ह्यवैरिनेन के छह दिवसीय प्रवास ने राज्य के पर्यटन क्षेत्र को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण गति प्रदान की है। उनका यह दौरा केवल औपचारिक भ्रमण नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय आधारित सतत पर्यटन मॉडल को वैश्विक मानकों से जोड़ने की ठोस रणनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। दौरे के दूसरे दिन सुश्री किर्सी बस्तर जिले के ग्राम धुड़मारास पहुंचीं, जहां धुरवा डेरा होमस्टे में उनका पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया। सिहाड़ी और महुए की माला पहनाकर तथा धुरवा नृत्य और स्वागत गीतों के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की। आत्मीय स्वागत से अभिभूत सुश्री किर्सी ने कहा कि इस प्रकार का अनुभव उनके लिए अत्यंत विशेष और अविस्मरणीय है। यह स्वागत केवल सांस्कृतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि बस्तर की सामाजिक एकजुटता और आत्मीयता का सशक्त परिचय था।

प्रवास के दौरान उन्होंने बस्तर के पारंपरिक एवं जैविक व्यंजनों का स्वाद भी लिया। कलम भाजी, सेमी और बोदई की सब्जी, केले की सब्जी, उड़द दाल, इमली की चटनी, कोसरा भात तथा मंडिया पेज जैसे स्थानीय व्यंजनों से सजी थाली ने उन्हें यहां की जीवनशैली और खाद्य परंपरा से परिचित कराया। वैश्विक पर्यटन परिदृश्य में स्थानीय खान-पान एक प्रमुख आकर्षण बन चुका है और बस्तर की जैव विविधता आधारित खाद्य संस्कृति विदेशी पर्यटकों के लिए विशिष्ट पहचान बना सकती है।

यह प्रवास विशेष रूप से यूनाइटेड नेशन से जुड़े 'बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम' के मानकों के अनुरूप धुड़मारास और आसपास के क्षेत्रों को विकसित करने पर केंद्रित है। सुश्री किर्सी धुरवा डेरा होमस्टे में रहकर स्थानीय समुदाय, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं और पर्यटन हितधारकों से संवाद कर सेवा गुणवत्ता, स्वच्छता प्रबंधन, डिजिटल प्रचार, ब्रांडिंग और होमस्टे संचालन के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर मार्गदर्शन दे रही हैं। यह भ्रमण जिला प्रशासन तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के समन्वय से आयोजित किया गया है।

प्रवास के दौरान उन्होंने विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात में नौका विहार कर वहां की पर्यटन संभावनाओं का अवलोकन किया और मेंदरी घूमर क्षेत्र में स्थानीय हितग्राहियों के साथ पर्यटन गतिविधियों को विस्तार देने पर चर्चा की। चित्रकोट जलप्रपात पहले से ही राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखता है, किंतु अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ की उपस्थिति इसे वैश्विक प्रचार अभियानों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकती है।

सुश्री किर्सी ह्यवैरिनेन के छह दिवसीय प्रवास का प्रभाव बहुआयामी होगा। एक ओर यह बस्तर को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो सकता है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार के स्थायी अवसर भी सृजित करेगा। सामुदायिक पर्यटन को संस्थागत आधार मिलने से आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और सतत विकास की अवधारणा को बल मिलेगा।

कभी नक्सल प्रभाव की पहचान से जुड़े रहे बस्तर की छवि अब प्रकृति, संस्कृति और सामुदायिक समृद्धि के मॉडल के रूप में उभर रही है। यदि धुड़मारास 'यूएन बेस्ट टूरिज्म विलेज' मानकों पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है, तो यह मॉडल देश के अन्य ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा बन सकता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा